Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

शनिवार | 14 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 213 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 81592.45

निफ्टी 25144.30

सर्राफा बाजार

सोना 1,39,805.00 रुपए प्रति दस ग्राम

चांदी 1,95,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

अयोध्या-काशी के बाद अब मथुरा पर भाजपा की नजर

लखनऊ। प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। अयोध्या और काशी के बाद अब पार्टी की नजर कान्हा की नगरी मथुरा पर है। इसी रणनीति के तहत भाजपा का शीर्ष नेतृत्व 16 और 17 नवंबर को मथुरा में दो दिवसीय चिंतन बैठक करने जा रहा है। इस बैठक में पार्टी के करीब 35 से 40 वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

आगरा। जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। फतेहाबाद क्षेत्र में माइल स्टोन 27 के पास अयोध्या से सूरत जा रही यात्रियों से भरी मिनी बस की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस सवार 13 यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बजरंग दल कार्यकर्ता की गिरफ्तारी पर देहरादून में हंगामा

देहरादून। बजरंग दल कार्यकर्ता सिद्धांत बड़ोनी की गिरफ्तारी के बाद विवाद बढ़ गया है। मामला पटेलनगर क्षेत्र में हुई 14 लाख रुपये की लूट से जुड़ा है। इस प्रकरण में सिद्धांत बड़ोनी की गिरफ्तारी के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई और पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से बदला मौसम

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से मौसम का मिजाज बदल गया है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में आज और कल बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी हुई है। मौसम में आए इस बदलाव से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने की संभावना है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के बाद पर्यटकों की आवाजाही बढ़ गई है।

फोन टैपिंग विवाद के बीच सैम पित्रोदा का दावा- मेरा फोन भी टैप हो रहा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोपों के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा ने भी अपना फोन टैप किए जाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनका फोन टैप किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री खुद स्क्रूड्राइवर लेकर कंप्यूटर ठीक करने नहीं बैठते। पित्रोदा के मुताबिक, उनके लैपटॉप पर भी साइबर अटैक हुआ है और उनके बैंक खातों की निगरानी की गई।

शंघाई में प्रवासी भारतीय दिवस-2027 का भव्य आगाज, आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ

- शंघाई अड्डा के सहयोग से भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने आयोजित किया विशेष कार्यक्रम
- भारतवंशियों को अपनी जड़ों से जुड़ने का दिया संदेश

यूथ इंडिया, शंघाई



भारत और विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और भावनात्मक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में शंघाई में एक महत्वपूर्ण आयोजन किया गया। भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शंघाई अड्डा के सहयोग से 19वें प्रवासी भारतीय दिवस (प्रवासी भारतीय दिवस-2027) के लिए भव्य कर्टेन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को भारत की संस्कृति, विरासत और विकास यात्रा से दोबारा जोड़ना तथा आगामी सम्मेलन में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान प्रवासी भारतीय दिवस-2027 की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ किया गया। इसके माध्यम से दुनिया के अलग-अलग देशों में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों को सम्मेलन की जानकारी, कार्यक्रमों की रूपरेखा और पंजीकरण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने का रास्ता खुला है।

आयोजन में भारतवंशियों के अपनी मातृभूमि से संबंधों को मजबूत बनाने के विचार पर विशेष चर्चा हुई। कार्यक्रम की केंद्रीय भावना भारत की जड़ों से जुड़ाव, सांस्कृतिक पहचान और नई पीढ़ी को भारतीय विरासत से परिचित कराने पर केंद्रित रही।

वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि विदेशों में रहने वाले भारतीय केवल भारत की पहचान को वैश्विक स्तर पर आगे नहीं बढ़ाते, बल्कि अपने अनुभव, ज्ञान, निवेश और उद्यमशीलता के माध्यम से देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम में भारत के महान व्यक्तित्व नेताजी सुभाष चंद्र बोस और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर से जुड़े ऐतिहासिक संबंधों को याद किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय इतिहास, साहित्य, कला और परंपराओं की झलक प्रस्तुत की गई। इन प्रस्तुतियों ने विदेश में रह रहे भारतीय समुदाय को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर दिया।

आप विधायक मनविंदर ग्यासपुरा ने अकाल तख्त में मांगी माफी

यूथ इंडिया, लखनऊ



पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक मनविंदर सिंह ग्यासपुरा ने अपने बयानों को लेकर श्री अकाल तख्त साहिब से माफी मांग ली है। उन्हें करीब एक महीने पहले धार्मिक मर्यादाओं से जुड़े मामले में तनखैया घोषित किया गया था। अब उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए अकाल तख्त साहिब के सामने माफी की अपील की है।

पायल विधानसभा क्षेत्र से विधायक मनविंदर सिंह ग्यासपुरा ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज को पत्र लिखकर अपने बयानों पर खेद जताया है। उन्होंने पत्र में अपनी गलती स्वीकार करते हुए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने के मामले में माफी मांगी है।

विधायक ने अपने पत्र में धार्मिक सजा यानी तनखाह भुगतने की इच्छा भी जताई है। इसके लिए उन्होंने जत्थेदार से समय देने का अनुरोध किया है। सिख धार्मिक परंपरा में तनखैया घोषित किए जाने के बाद संबंधित व्यक्ति को अकाल तख्त की ओर से निर्धारित धार्मिक सजा पूरी करनी होती है।

ग्यासपुरा के इस कदम के बाद अब सबकी नजर श्री अकाल तख्त साहिब के अगले फैसले पर टिकी है। जत्थेदार की ओर से उनके माफीनामे और धार्मिक सजा भुगतने के अनुरोध पर क्या निर्णय लिया जाता है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

जम्मू-कश्मीर में अंतरराज्यीय नशा तस्करी का भंडाफोड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में पुलिस ने अंतरराज्यीय नशा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने गटारू गैंग के 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी विजयपुर, पंजाब और बिहार के सीतामढ़ी से की गई है। पुलिस की इस कार्रवाई को नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों के पास से हेरोइन के साथ हथियार और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में इस गिरोह के अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और उसके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

इस मामले में पुलिस ने सभी 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस बरामद नशीले पदार्थों और हथियारों के स्रोत के साथ-साथ उनकी सप्लाई से जुड़े संपर्कों की भी जांच कर रही है।

छठ पर बसों में ज्यादा किराया वसूला तो होगी कार्रवाईः योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश में छठ महापर्व को देखते हुए योगी सरकार ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि छठ पूजा के दौरान बसों में यात्रियों से निर्धारित किराये से अधिक वसूली न की जाए। यदि किसी बस संचालक या कर्मचारी द्वारा अधिक किराया वसूले जाने की शिकायत मिलती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली से पूर्वांचल जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त बसें संचालित करने के निर्देश दिए हैं। इससे छठ पर्व पर घर जाने वाले लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी। परिवहन विभाग को बसों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न होने देने को कहा गया है।

छठ महापर्व के दौरान नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों के किनारे स्थित घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधाएं, पर्याप्त रोशनी और यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जरूरी इंतजाम समय रहते पूरे करने को कहा गया है।

इसके अलावा प्रदेश के सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएंगे, ताकि छठ पूजा के दौरान किसी भी समस्या या आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। प्रशासन को पुलिस और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का उद्देश्य छठ महापर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराना तथा यात्रियों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

गिग वर्कर्स को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है सरकारः राहुल गांधी

यूथ इंडिया, लखनऊ



कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को हैदराबाद में गिग वर्कर्स को संबोधित करते हुए भाजपा और ऋस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-ऋस गिग वर्कर्स को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है। राहुल ने कहा कि इन कर्मचारियों से 24 घंटे काम कराकर अरबपतियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने अपने संबोधन में अंबानी और अडानी का नाम लेते हुए कहा कि मौजूदा व्यवस्था में बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। इसके विपरीत कांग्रेस गिग वर्कर्स को केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि व्यवस्था का साझेदार बनाना चाहती है।

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि गिग वर्कर्स और उनके परिवारों को शिक्षा तथा सुरक्षा का अधिकार मिले। उन्होंने जोर देकर कहा कि डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, कैब ड्राइवर और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों का देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। इसके बावजूद उन्हें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राहुल ने कहा कि कांग्रेस ऐसी व्यवस्था बनाने के पक्ष में है, जिसमें इन कर्मचारियों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा और सम्मान मिल सके। उन्होंने गिग वर्कर्स के हितों को लेकर तेलंगाना सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की भी घोषणा की।

इससे पहले राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी गिग वर्कर्स की बाइक रैली में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी का अलग अंदाज देखने को मिला। वह एक महिला बाइक राइडर के स्कूटर पर पीछे बैठे नजर आए। रैली में डिलीवरी कर्मचारियों, कैब ड्राइवरों और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े अन्य वर्कर्स ने हिस्सा लिया। राहुल और रेवंत रेड्डी ने इस कार्यक्रम के जरिए गिग वर्कर्स के साथ संवाद किया और उनके मुद्दों को लेकर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स की भागीदारी रही।

हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस की भारत समिट के दूसरे दिन भी राहुल गांधी शामिल होंगे।

अमेरिका में एयर इमरजेंसी से मचा हड़कंप, 8 हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द, 15 लाख यात्री एयरपोर्ट पर फंसे

यूथ इंडिया, लखनऊ



अमेरिका में कम्युनिकेशन सिस्टम फेल होने के कारण देशभर में हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया। सुरक्षा कारणों से फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने देश के सभी एयरपोर्ट पर उड़ानों को रोकने का आदेश दिया। इस फैसले के चलते 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि करीब 15 लाख यात्री प्रभावित हुए। एयरपोर्ट पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

इस तकनीकी गड़बड़ी के कारण विमान सेवाओं का संचालन बाधित हुआ। यात्रियों को अपनी उड़ानों के रद्द होने और देरी की जानकारी मिलने के बाद वैकल्पिक व्यवस्था तलाशनी पड़ी। कई यात्रियों की यात्रा योजनाएं बिगड़ गईं, जबकि एयरलाइंस को भी बड़े स्तर पर परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

शुक्रवार रात उड़ानों पर लगाई गई रोक हटा ली गई, लेकिन शनिवार को भी स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी। बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और कई यात्रियों को एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए हवाई सेवाओं को धीरे-धीरे सामान्य करने की प्रक्रिया अपनाई।

11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के बाद यह दूसरी बार बताया जा रहा है, जब अमेरिका में देशव्यापी स्तर पर सभी उड़ानों को रोकना पड़ा। इससे पहले जनवरी 2023 में स्र के मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान सेवाएं प्रभावित हुई थीं। ताजा घटना ने अमेरिका के विमानन संचार और तकनीकी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूपी में 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश में शुक्रवार देर रात नौकरशाही में बड़ा बदलाव किया गया। योगी सरकार ने एक साथ 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इस प्रशासनिक फेरबदल में कई जिलों के जिलाधिकारियों और महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। शासन की ओर से तबादलों की सूची जारी होने के बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है।

इस फेरबदल के तहत अनुज सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजधानी लखनऊ में विकास परियोजनाओं, निर्माण कार्यों और प्राधिकरण से जुड़े प्रशासनिक कामकाज की जिम्मेदारी अब उनके पास होगी। इस नियुक्ति को राजधानी के विकास कार्यों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वहीं, प्रथमेश कुमार को सीतापुर का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। उन्हें जिले में प्रशासनिक व्यवस्था, विकास योजनाओं और जनसमस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा अन्य आईएएस अधिकारियों को भी नई तैनाती देकर अलग-अलग विभागों और जिलों में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सरकार के इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल को प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, सभी 38 अधिकारियों की नई तैनाती और उनके पदों का पूरा विवरण शासन की जारी आधिकारिक तबादला सूची के अनुसार ही स्पष्ट होगा।

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर भीषण सड़क हादसा, पिकअप ने खड़े कैंटर में मारी टक्कर; दो की मौत



बागपत। जिले में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। दोघट थाना क्षेत्र में गांगनौली कट के पास ट्रांसफार्मर से लदी बोलेरो पिकअप ने सड़क किनारे खड़े कैंटर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पिकअप में सवार लोगों और कैंटर के आसपास मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। इस हादसे में कैंटर चालक और पिकअप में सवार एक बुजुर्ग की जान चली गई। दोनों की मौत से इलाके में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

पुलिस में बड़ा फेरबदल, एसएसपी श्लोक कुमार ने 147 दरोगाओं का किया तबादला

यूथ इंडिया, मथुरा



जिले की पुलिस व्यवस्था में एसएसपी श्लोक कुमार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। जिले में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से 147 उपनिरीक्षकों (दरोगाओं) के कार्यक्षेत्र बदल दिए गए हैं। इस बदलाव के तहत लंबे समय से एक ही थाने या चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

इस तबादला सूची में एक दर्जन से अधिक चौकी प्रभारियों को भी बदल दिया गया है। एसएसपी के इस फैसले से जिले के कई थानों और चौकियों में पुलिसकर्मियों की तैनाती में बदलाव हुआ है। नई जिम्मेदारियां मिलने के बाद संबंधित दरोगाओं को अपने नए कार्यक्षेत्र में कार्यभार संभालना होगा।

फेरबदल के तहत नंदगांव, अद्धा, कस्बा छाता, बाग बहादुर, रैपुरा जाट, ओल, जाजमपट्टी, देवसेरस, खानपुर, वृंदावन गेट, आझई, छटीकरा और लक्ष्मीनगर समेत कई चौकियों पर तैनाती बदली गई है। इसके अलावा कोकिलावन, कोटवन, बंगाली घाट, बीएसए और बाजना कट चौकी पर भी नए प्रभारियों की नियुक्ति की गई है।

एसएसपी श्लोक कुमार के इस बड़े फेरबदल को जिले की पुलिस व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने की कवायद माना जा रहा है। लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात पुलिसकर्मियों को दूसरी जगह भेजने से कार्यप्रणाली में बदलाव और पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद है।

अरविंद केजरीवाल से 7 करोड़ की फिरौती मांगने की धमकी, बेटी को भी बनाया निशाना

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (क्क) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सात करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। धमकी में उनकी बेटी हर्षिता को भी निशाना बनाया गया है। आम आदमी पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले को लेकर हांसी में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भी नाराजगी जताई है। पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और हांसी जिलाध्यक्ष राजेंद्र सोरखी ने शुक्रवार को बयान जारी कर धमकी देने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस तरह की धमकियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

राजेंद्र सोरखी के मुताबिक, दिल्ली के तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह को फोन और व्हाट्सएप के जरिए धमकी भरे संदेश मिले हैं। इन संदेशों में अरविंद केजरीवाल से सात करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के साथ उन्हें और उनकी बेटी को जान से मारने की धमकी दी गई है।

आम आदमी पार्टी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों से आरोपियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई करने की अपील की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि जनप्रतिनिधियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। फिलहाल इस मामले में धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

व्हाट्सएप पर चैटिंग के साथ शॉपिंग, बिल पेमेंट और सरकारी सेवाओं का मिलेगा फायदा

यूथ इंडिया, लखनऊ



मेटा की भारत में अगली प्राथमिकता व्हाट्सएप को सिर्फ बातचीत का प्लेटफॉर्म न रखकर खरीदारी, बिल पेमेंट और सरकारी सेवाओं के इस्तेमाल का बड़ा माध्यम बनाना है। कंपनी के इंडिया हेड अरुण श्रीनिवास के मुताबिक, भारत में डिजिटल सेवाओं के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए व्हाट्सएप पर लोगों को कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। उनका कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (द्ध) लोगों के रोजमर्रा के कामों को आसान बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके जरिए यूजर्स बातचीत के साथ-साथ जरूरी सेवाओं का लाभ भी एक ही प्लेटफॉर्म पर ले सकेंगे।

अरुण श्रीनिवास ने बताया कि द्ध एजेंट आने वाले समय में डिजिटल अनुभव को और बेहतर बना सकते हैं। इनकी मदद से यूजर्स को जानकारी हासिल करने, खरीदारी करने और अलग-अलग सेवाओं का इस्तेमाल करने में आसानी होगी। खासतौर पर छोटे कारोबारियों के लिए यह तकनीक फायदेमंद साबित हो सकती है। छोटे व्यापारी द्ध की मदद से ग्राहकों तक आसानी से पहुंच सकेंगे और अपने कारोबार को बढ़ाने के नए अवसर हासिल कर सकेंगे। व्हाट्सएप के जरिए कारोबारियों और ग्राहकों के बीच सीधा संपर्क मजबूत करने की भी योजना है। मेटा का मानना है कि भारत में छोटे कारोबारियों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने का महत्वपूर्ण जरिया बन सकते हैं।

हालांकि, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक और गैरकानूनी सामग्री की मौजूदगी कंपनी के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। अरुण श्रीनिवास ने बताया कि मेटा ने करीब 50 लाख आपत्तिजनक कंटेंट हटाए हैं। इसके बावजूद गलत गतिविधियों में शामिल लोग लगातार अपने तरीके बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब ऐसे लोग यूजर्स को व्हाट्सएप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बाहरी वेबसाइट या ऐप पर ले जाते हैं।

राष्ट्र की शक्ति और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है सैन्य परिवार: मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मेरठ में होने वाले पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में होंगे शामिल**

यूथ इंडिया, लखनऊ

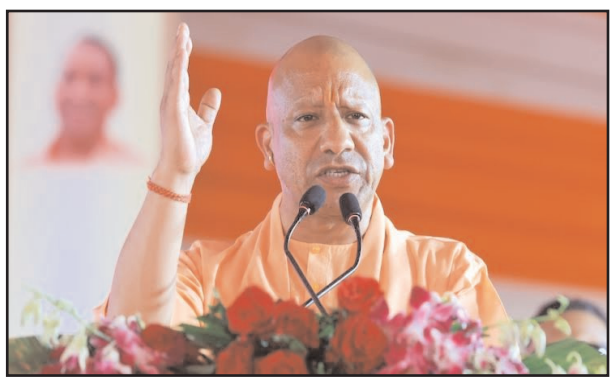

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को क्रांति धरा मेरठ में आयोजित पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में मौजूद रहेंगे। आयोजन से पहले मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि प्रदेश के 5.19 लाख पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सुअवसर प्राप्त होगा। लगभग 15 से 20 लाख लोगों का यह विशाल सैनिक परिवार राष्ट्र की शक्ति और हमारी गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि देश में प्रति वर्ष सेवानिवृत्त होने वाले लगभग 60 हजार सैनिकों में 10 से 12 हजार उत्तर प्रदेश के होते हैं। यह राष्ट्र रक्षा में प्रदेश के महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है। पूर्ववर्ती सरकारों ने दशकों तक %वन रैंक-वन पेंशन% को लंबित रखा। सैनिकों और शहीद परिवारों का सम्मान उनकी प्राथमिकताओं में नहीं था। अब नया भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सैनिकों के सम्मान और सामर्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के पराक्रम से लेकर यूपी डिफेंस कॉरिडोर और लखनऊ में ब्रह्मोस निर्माण तक, उत्तर प्रदेश रक्षा आत्मनिर्भरता का नया केंद्र बन रहा है। डबल इंजन सरकार ने शहीदों के परिजनों को 50 लाख की अनुग्रह राशि, एक आश्रित को सरकारी नौकरी, अग्निवीरों के लिए यूपी पुलिस में 20 प्रतिशत और समूह ख के पदों पर 5त्न आरक्षण तथा 31,700 से अधिक पूर्व सैनिकों को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे ठोस कदम उठाए हैं।मुख्यमंत्री ने सैनिकों का सम्मान, शहीद परिवारों का संबल और पूर्व सैनिकों के कल्याण को राष्ट्रीय संकल्प बताया।

कई एआईएस अधिकारियों के तबादले



लखनऊ। प्रदेश में शुक्रवार देर शाम कई आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए। इस प्रशासनिक फेरबदल में मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अनुज सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, अब तक एलडीए के उपाध्यक्ष रहे प्रथमेश कुमार का तबादला कर उन्हें सीतापुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। इस बदलाव के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण और सीतापुर जिले की प्रशासनिक जिम्मेदारियों में बदलाव होगा।

शराबी व्यक्ति का गुलाब नगर में तांडव

यूथ इंडिया, आगरा

थाना अछनेरा क्षेत्र के गुलाब नगर में एक व्यक्ति के कथित उत्पात से इलाके में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों से विवाद के बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपने ही घर में आग लगा दी। इतना ही नहीं, जलता हुआ गैस सिलेंडर फेंकने से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। घटना के दौरान इलाके में चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपी पर शराब के नशे में पड़ोसियों से विवाद करने और महिलाओं व युवतियों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप हैं। बताया जा रहा है कि पड़ोसियों ने जब उसकी हरकतों का विरोध किया तो उसने गुस्से में आकर अपने घर में आग लगा दी। इसके बाद जलता हुआ सिलेंडर फेंकने से आसपास के लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

अचानक आग और सिलेंडर फेंके जाने की घटना से स्थानीय लोग दहशत में आ गए।

नीलामी समिति, जनपद न्यायालय फर्रुखाबाद।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद न्यायालय परिसर में रखे हुए संलग्न सूची के अनुसार लोहे तथा लकड़ी के निष्प्रयोज्य सामग्री आरक्षित धनराशि 1,18,642.36/- रुपये आधार मानते हुये, जहाँ और जैसी स्थिति में है, के आधार पर सार्वजनिक रूप से नीलामी दिनांक 18.11.2026 को सांय 04.30 बजे जनपद न्यायालय फर्रुखाबाद के प्रांगण में केन्द्रीय नजारत के सामने चबूतरे पर की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति नीलामी की कार्यवाही में निम्न शर्तों के अनुसार बोली बोल सकते हैं।

नीलामी की शर्तें

1. नीलामी समिति किसी भी बोली को बिना कारण बताये अस्वीकार कर सकती है। अन्तिम बोली की स्वीकृति माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा की जायेगी।
2. प्रत्येक बोली बोलने वाले को नीलामी में भाग लेने से पूर्व रूपया 10,000/- (रू0 दस हजार मात्र) नगद जमा करना होगा। नीलामी समाप्त होने पर जिन व्यक्तियों की बोली अस्वीकृत होगी उसकी उक्त धनराशि तुरन्त वापस कर दी जायेगी।
3. नीलामी की कार्यवाही में कोई व्यक्ति किसी अन्य की ओर से बोली के लिये तब तक अनुज्ञात नहीं किया जायेगा जब तक बोली लगाने के लिये उपस्थित व्यक्ति ने उस व्यक्ति से जिसकी ओर से वह बोली लगाना चाहता है, प्राधिकार न प्राप्त किया हो। अधिकृत प्रतिनिधि ही उक्त धनराशि जमा करेगा।
4. नीलामी होने वाली निष्प्रयोज्य सामग्री जैसा की सूची में वर्णित है, का नीलामी की तिथि से दो दिन पूर्व अपराह्न 01.00 बजे से 03.00 बजे तक जनपद न्यायालय फर्रुखाबाद के परिसर में देखा जा सकेगा।
5. बोली बोलने वालों का यह उत्तरदायित्व होगा कि बोली से पूर्व निष्प्रयोज्य सामग्री जैसा की सूची में वर्णित है, का विधिवत निरीक्षण कर लें।
6. जिसकी अन्तिम बोली स्वीकार की जायेगी उसे बोली की एक तिहाई धनराशि तुरन्त जमा करनी होगी, यदि बोली बोलने वाले व्यक्ति द्वारा निर्धारित धनराशि तुरन्त जमा नहीं की गई तो बोली निरस्त समझी जायेगी व जमानत जब्त कर ली जायेगी।
7. माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा अंतिम बोली की स्वीकृति प्राप्त होने पर अधिक बोली बोलने वाले को एक सप्ताह में शेष धनराशि जमा करनी होगी, अन्यथा बोली निरस्त करके जमा धनराशि जब्त कर ली जावेगी व निष्प्रयोज्य सामग्री को पुनः नीलाम किया जायेगा।
8. निष्प्रयोज्य सामग्री की अन्तिम बोली माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा स्वीकृति होने अथवा अन्तिम कार्यवाही होने तक, जो भी बाद में हो, होने तक निष्प्रयोज्य सामग्री हस्तगत नहीं की जायेगी।
9. नीलामी समिति द्वारा स्वीकार की गई अन्तिम बोली को माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय द्वारा अन्तिम रूप से अनुमोदित किया जायेगा।
10. निष्प्रयोज्य सामग्री जहाँ है जैसा है कि स्थिति में नीलाम तथा हस्तगत की जायेगी।
11. नीलाम की गयी निष्प्रयोज्य सामग्री को उच्चतम बोली बोलने वाले को पूर्ण धनराशि का भुगतान करने पर ही निष्प्रयोज्य सामग्री की सुपुर्दगी दी जायेगी।
12. बोली दाता को नियमानुसार निष्प्रयोज्य सामग्री पर लागू ज्ञस्ज्ञ को अविलम्ब जमा करना होगा।
13. जिस व्यक्ति के पक्ष में नीलामी अन्तिम रूप से स्वीकार होगी उस व्यक्ति को निष्प्रयोज्य सामग्री का पूरा मूल्य जमा कर देने के पश्चात तथा शर्त सं0 11 व 12 के पूर्ण होने के पश्चात्, तत्काल निष्प्रयोज्य सामग्री को नीलामी स्थल से हटा लेना होगा।
14. निष्प्रयोज्य सामग्री को न्यायालय परिसर से ले जाने में कोई क्षति होती है तो उसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व नीलाम खरीददार का होगा।
15. यदि नीलामी की शर्तों के विषय में कोई विवाद उठता है तो माननीय जनपद न्यायाधीश, फर्रुखाबाद द्वारा लिया गया निर्णय अन्तिम व मान्य होगा।
16. नीलामी के सम्बन्ध में किसी प्रकार की कानूनी कार्यवाही जनपद फर्रुखाबाद में स्थित सक्षम न्यायालय में ही की जायेगी।

दिनांकः 03.11.2026

आर0ओ0 सं0: 260882
दिनांक: 12/11/2026

(शैलेन्द्र सचान)
अध्यक्ष नीलामी समिति/
विशेष न्यायाधीश (द.प्र.क्षे.)
फर्रुखाबाद

दिल्ली से प्रयागराज जा रही लक्ष्मी ट्रैवल्स की बस हादसे का शिकार, कई यात्री घायल

- **बंद रास्ते से बस नीचे उतारने के दौरान हुआ हादसा, चालक पर नशे में वाहन चलाने का आरोप**
- **सूचना के 10 मिनट के भीतर पुलिस और एंबुलेंस पहुंची, पुलिसकर्मियों ने घायलों को अपने हाथों से पहुंचाया अस्पताल**

यूथ इंडिया, आगर



दिल्ली से प्रयागराज जा रही लक्ष्मी ट्रैवल्स की बस आगरा में हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना में बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही एकता थाना पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के मुताबिक, लक्ष्मी ट्रैवल्स की बस दिल्ली से यात्रियों को लेकर प्रयागराज जा रही थी। इसी दौरान हाईवे पर बंद रास्ते से बस को नीचे उतारने के दौरान वह हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना में कई यात्री घायल हो गए। बस में मौजूद अधिवक्ता अंकित त्यागी ने चालक पर नशे की हालत में वाहन चलाने का आरोप लगाया।

हादसे के बाद अधिवक्ता अंकित त्यागी ने तत्काल 112 नंबर पर फोन कर पुलिस से सहायता मांगी। उनके मुताबिक, सूचना मिलने के करीब 10 मिनट के भीतर एकता थाना पुलिस और एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने बिना समय गंवाए घायलों को बस से बाहर निकालना शुरू किया। कई पुलिसकर्मी घायलों को अपने हाथों से उठाकर एंबुलेंस तक पहुंचाते नजर आए। इसके बाद सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने स्थिति संभालते हुए राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग किया। अधिवक्ता अंकित त्यागी ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय व्यवहार की सराहना की। उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस और आगरा पुलिस का आभार जताते हुए कहा कि सूचना मिलने के बाद जिस तेजी से पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर घायलों की मदद की, वह सराहनीय है।

हादसे के बाद पुलिस की तत्परता और घायलों की मदद के लिए किए गए प्रयासों की चर्चा हो रही है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों और चालक पर लगाए गए नशे में वाहन चलाने के आरोप की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

भैयादूज पर बहन के घर आए भाई की हत्या के दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

- **बहन का देवर आकाश और उसका साथी रविकांत गिरफ्तार**
- **पुलिस ने दो तमंचे और कारतूस किए बरामद**

यूथ इंडिया, शामली



आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के कस्बा बनत में भैयादूज के दिन बहन के घर टीका कराने आए 22 वर्षीय युवक अंकुश पाल की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हत्याकांड में शामिल बहन के देवर आकाश और उसके साथी रविकांत को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को घायल अवस्था में उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरनगर निवासी मदनपाल की पुत्री मनीषा की शादी शामली के आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के कस्बा बनत निवासी अरुण के साथ हुई थी। भैयादूज के अवसर पर मनीषा का 22 वर्षीय भाई अंकुश पाल अपनी बहन के घर टीका कराने आया था। आरोप है कि इसी दौरान कुछ माह पहले पति-पत्नी के बीच हुए विवाद की रंजिश को लेकर मनीषा के देवर आकाश और उसके साथी रविकांत ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अंकुश पर हमला कर दिया। आरोपियों ने युवक को बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

मृतक के परिजनों ने इस हत्याकांड में बहन के पति अरुण और उसके पिता संजीव कुमार की भूमिका होने का भी आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए अरुण और संजीव कुमार को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, फरार अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी।

इसी क्रम में बीती रात करीब 1 बजे पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवकों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। आरोप है कि दोनों ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों युवकों के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपियों की पहचान आकाश और रविकांत के रूप में हुई, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे और कई कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी अंकुश हत्याकांड में शामिल थे। पूछताछ के दौरान उन्होंने इस वारदात में कुछ अन्य साथियों के नाम भी बताए हैं। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

एएसपी शामली सुमित शुक्ला ने बताया कि अंकुश हत्याकांड में मृतक के जीजा अरुण और उसकी बहन के ससुर संजीव कुमार को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं, पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपी आकाश और रविकांत घायल हुए हैं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपियों ने पूछताछ में अपने कुछ अन्य साथियों के नाम भी बताए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

श्रीमद्भागवत कथा एवं इच्छापूर्ति महायज्ञ का भव्य शुभारंभ, कलश यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

- **51 ब्राह्मणों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुरू हुआ सात दिवसीय धार्मिक आयोजन, 20 नवंबर को होगा विशाल हवन एवं भंडारा**

यूथ इंडिया, कानपुर नगर



नौबस्ता क्षेत्र के श्रीनगर, पहाड़पुर चुंगी, हमीरपुर रोड स्थित नई गल्ला मंडी के निकट सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा एवं इच्छापूर्ति महायज्ञ का शुभारंभ 13 नवंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ सहभागिता की। भगवान के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

कलश यात्रा क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों से होकर निकली, जहां श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। सुहागिन महिलाओं ने सिर पर जल से भरे मंगल कलश धारण कर धार्मिक आयोजन की शोभा बढ़ाई।

कथा के शुभारंभ अवसर पर श्रीमती पूनम मिश्रा एवं उनके सुपुत्र कार्तिक मिश्रा तथा सहयोगी विनीत द्विवेदी ने श्रद्धालुओं के साथ विधिवत व्यासपीठ पूजन किया। काशी से पधारे विद्वान ब्राह्मणों सहित कुल 51 ब्राह्मण वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करा रहे हैं।

कथा व्यास अंतरराष्ट्रीय कथावाचक परम पूज्य पंडित शिवाकान्त जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अनेक जन्मों के पुण्य उदय होने पर ही मनुष्य को भागवत कथा श्रवण का सौभाग्य प्राप्त होता है। प्रत्येक सनातनी परिवार को अपने पितरों के कल्याण और आध्यात्मिक उन्नति के लिए जीवन में एक बार श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन अवश्य करना चाहिए।

महाराज श्री ने कहा कि इच्छापूर्ति महायज्ञ श्रद्धा, संकल्प और आस्था का पवित्र अनुष्ठान है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और लोककल्याण की भावना से यज्ञ में आहुतियां समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

उल्लेखनीय है कि परम पूज्य पंडित शिवाकान्त जी महाराज अब तक 26 देशों में श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का संदेश प्रसारित कर चुके हैं। आयोजन में देश-विदेश से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

आयोजन समिति के अनुसार 13 से 19 नवंबर तक प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा। वहीं 20 नवंबर को विशाल हवन एवं भंडारे के साथ सात दिवसीय धार्मिक आयोजन का समापन होगा।

बेकाबू कंटेनर ने बाइक सवार कार मैकेनिक को कुचला, मौके पर दर्दनाक मौत

- **हादसे के बाद चालक कंटेनर छोड़कर फरार, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा**
- **हुसैनगंज थाना क्षेत्र के रामपुर पताहा गांव के समीप हुआ हादसा**

यूथ इंडिया, फतेहपुर



जिले में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के रामपुर पताहा गांव के समीप एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार कार मैकेनिक की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार बेकाबू कंटेनर ने बाइक सवार को अपनी चपेट में लेकर कुचल दिया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, बाइक सवार कार मैकेनिक रामपुर पताहा गांव के समीप से गुजर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कंटेनर अनियंत्रित होकर उसकी बाइक से टकरा गया। टक्कर लगने के बाद युवक कंटेनर की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से कुचल गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। युवक की मौत से इलाके में शोक और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना के बाद कंटेनर चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही हुसैनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही दुर्घटना में शामिल कंटेनर को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को उजागर कर दिया है। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही दुर्घटना की पूरी परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

स्व. उमाशंकर गुप्ता की स्मृति में सेवा का संकल्प, मरीजों को मिला उपचार



यूथ इंडिया, उरई (जालौन)

ग्राम सैदनगर कोटरा में स्वर्गीय उमाशंकर गुप्ता की स्मृति में शुक्रवार को भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी एवं श्री उमाशंकर गुप्ता फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 432 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श दिया गया, जबकि चार लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। मुख्य अतिथि एआरटीओ प्रवर्तन राजेश कुमार तथा विशिष्ट अतिथि एसीएमओ डॉ. आनंद भूषण और यातायात प्रभारी वीर बहादुर सिंह रहे। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा विभाग तथा राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सा विभाग की ओर से मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

कार्यक्रम संयोजक विनीत गुप्ता एवं प्रीतिका गुप्ता ने अतिथियों को स्मृति चिह्न और शॉल भेंटकर सम्मानित किया। संचालन डॉ. ममता स्वर्णकार ने किया। इस मौके पर विजय गुप्ता, कोटरा चेयरमैन सियाशरण व्यास, आशाराम अग्रवाल, शांतिस्वरूप महेश्वरी, लक्ष्मण दास बाबानी, अलीम सर, युद्धवीर सिंह कंथरिया, शशि सोमेंद्र सिंह, गरिमा पाठक, महावीर तरसौलिया, डॉ. नरेश कुमार वर्मा, दीपक गुप्ता, कृष्णा, संतोष कुमार प्रजापति, मिथलेश नायक, राकेश कुशवाहा, नरेंद्र सिंह, प्रिंस, निसार सलमानी सहित चिकित्सकों की टीम मौजूद रही।

प्रदूषण का बढ़ा स्तर, एक्यूआई 250 पर पहुंचा; अलीगंज रेड जोन में, धुंध से विजिबिलिटी घटी

यूथ इंडिया, लखनऊ



शनिवार सुबह से आसमान में हल्की धुंध छाई हुई है। इसके साथ ही शहर की हवा की गुणवत्ता भी खराब श्रेणी में पहुंच गई है। शहर का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 250 दर्ज किया गया। हवा में पीएम2.5 का स्तर सबसे अधिक रहा।

अलीगंज में प्रदूषण की स्थिति सबसे खराब रही, जहां एक्यूआई 314 दर्ज किया गया। इसके चलते इलाका रेड जोन में पहुंच गया। धुंध और प्रदूषण के कारण विजिबिलिटी भी प्रभावित हुई। इकाना स्टेडियम और प्लासियो मॉल तक साफ दिखाई नहीं दे रहे हैं। दूर की इमारतें धुंध में ओझल हो गई हैं।

शहर के अन्य मॉनिटरिंग स्टेशनों पर भी प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ दर्ज किया गया। तालकटोरा में एक्यूआई 295 और लालबाग में 244 रहा। वहीं, अंबेडकर यूनिवर्सिटी में एक्यूआई 175, गोमतीनगर में 221 और कुकरैल में 225 दर्ज किया गया।

चलती सीएनजी अर्टिगा कार बनी आग का गोला, ड्राइवर समेत पांच ने कूदकर बचाई जान

- **बुकिंग पर संभल से रामपुर जा रही थी गाड़ी**
- **एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकल ने पाया आग पर काबू**
- **8 लाख रुपये से अधिक का नुकसान**

यूथ इंडिया, संभल



थाना रायसत्ती क्षेत्र के वाजिदपुर सराय में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बुकिंग पर संभल से रामपुर जा रही सीएनजी अर्टिगा कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी आग के गोले में तब्दील हो गई। गनीमत रही कि ड्राइवर सहित कार में सवार पांच लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली।

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, कार में आग लगते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। सभी लोग तत्काल गाड़ी से बाहर निकल आए। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। आग से उठता काले धुएं का गुबार करीब एक किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया।

सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सुरक्षा के मद्देनजर आग बुझने तक मुरादाबाद रोड पर यातायात वन-वे कर दिया गया, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही।

इस अग्निकांड में अर्टिगा कार पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वाहन में 8 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। घटना के दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जापान ने आंध्र प्रदेश से दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति का आग्रह किया

विशाखापत्तनम में सीएम नायडू से मिले जापानी राजदूत

विशाखापत्तनम ।

जापान ने आंध्र प्रदेश से अपने लिए दुर्लभ खनिजों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। हाल ही में विशाखापत्तनम में मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ हुई बैठक में जापानी राजदूत केईची ओनो ने इस मुद्दे को उठाया। यह पहल महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जापानी प्रतिनिधियों ने इस सहयोग को महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति में भारत-जापान साझेदारी के लिए अहम बताया। यह कूटनीतिक पहल आंध्र प्रदेश सरकार की राज्य के तटीय क्षेत्र को दुर्लभ खनिज तत्व गलियारे के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना के अनुरूप है। राज्य में 16,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 16 प्रकार के खनिज भंडार चिन्हित किए गए हैं, जिसमें देश के समुद्र तटीय रेत खनिज भंडार का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा शामिल है, जो आंध्र प्रदेश को इन महत्वपूर्ण संसाधनों का दूसरा सबसे बड़ा भंडार बनाता है।

एचएफसीएल को 834 करोड़ के निर्यात ठेके मिले

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को विदेश स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिये एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक को ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति के लिए करीब 834.36 करोड़ रुपये (लगभग 88.94 करोड़ डॉलर) के निर्यात ठेके मिले हैं। ठेके जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। हालांकि, कंपनी ने ग्राहक की पहचान उजागर नहीं की। एचएफसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि ये ठेके कंपनी की विनिर्माण क्षमताओं, प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता और उत्पादों की गुणवत्ता में ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। गौरतलब है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने ऑप्टिकल फाइबर और ऑप्टिकल फाइबर केबल की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 400 करोड़ रुपये के नए निवेश को मंजूरी दी है। प्रस्तावित विस्तार के लिए धन की व्यवस्था आंतरिक स्रोतों से जुटाई गई राशि और कर्ज के जरिये की जाएगी। इसके जुलाई 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

रिन्यू आंध्र प्रदेश में 29,500 करोड़ का निवेश करेगा

विशाखापत्तनम ।

आंध्र प्रदेश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू ने राज्य में 29,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश की सैद्धांतिक प्रतिबद्धता जताई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा सीआईआई साझेदारी सम्मेलन से इतर आंध्र प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश और रिन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा के बीच हुई बैठक में की गई। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में किया जाएगा। इनमें दो गीगावाट (जीडब्ल्यू) की पंप्ड स्टोरेज परियोजना शामिल है, जिसके लिए 12,500 करोड़ रुपए आवंटित किए जाएंगे। दूसरी परियोजना हरित अमोनिया एवं ई-ईंधन से संबंधित है, जिसमें 17,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। मंत्री लोकेश ने रिन्यू की 11,000 करोड़ रुपए की पॉलीसिलिकॉन और धातुकर्म-ग्रेड सिलिकॉन परियोजना के लिए बधाई दी और कंपनी को आईआईटी तिरुपति व यूएनएसडब्ल्यू द्वारा स्थापित सौर सेल प्रोटोटाइप केंद्र के साथ सहयोग करने का न्योता भी दिया।

अक्टूबर में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में 6,566 करोड़ का निवेश

सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई

नई दिल्ली ।

बाजार की उठापटक के बीच भी निवेशक गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) पर भरोसा बनाए हुए हैं। अक्टूबर में इन दोनों श्रेणियों में कुल 6,566 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जिसमें सिल्वर ईटीएफ में अच्छी वृद्धि देखी गई, वहीं गोल्ड ईटीएफ में मामूली गिरावट रही। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इस कुल शुद्ध निवेश में गोल्ड ईटीएफ का हिस्सा 3,474 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ का 3,092 करोड़ रुपये रहा। खास बात यह है कि सितंबर के मुकाबले गोल्ड ईटीएफ में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई, पर यह पिछले छह महीने के औसत से 45 फीसदी अधिक है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार पर दबाव बना रहा। इसी कारण बाजार पर अंकुश लगा रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर बीएसई सेंसेक्स 31.61 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,911.01 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 44.30 अंक की तेजी के साथ 25,299.35 पर बंद हुआ। यह बढ़त मुख्य रूप से रियल्टी और वित्तीय क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के कारण आई है। जिसने बाजार को स्थिरता मिली है।

दिन के अंत में रियल्टी शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया, निफ्टी रियल्टी सूचकांक तेजी के साथ शीर्ष पर रहा। इसके अतिरिक्त, निफ्टी मीडिया त, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी इंडिया डिफेंस बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में गिरावट भी दर्ज की गई, जिसमें निफ्टी ऑटो , निफ्टी पीएसई , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी ऑयलएंडगैस और निफ्टी कमोडिटीज की गिरावट के साथ बंद हुए।

प्रमुख सूचकांकों में आई हल्की तेजी के विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बड़ी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 519.90 अंक की उछाल के साथ 62,039.00 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने 217.40 अंक की और भी मजबूत बढ़त दर्ज की, जो 19,706.75 पर पहुंचा।

आज सेंसेक्स पैक में, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, बीईएल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक और



कोटक महिंद्रा बैंक जैसे प्रमुख शेयरों ने हरे निशान में कारोबार किया, जिससे सूचकांक को समर्थन मिला। दूसरी ओर, एचयूएल, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एमएंडएम, टाइटन, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल जैसे कई दिग्गज शेयरों में मुनाफावसूली के चलते गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। सेंसेक्स 169 अंकों की बढ़त पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी में भी 48 अंकों का उछाल आया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

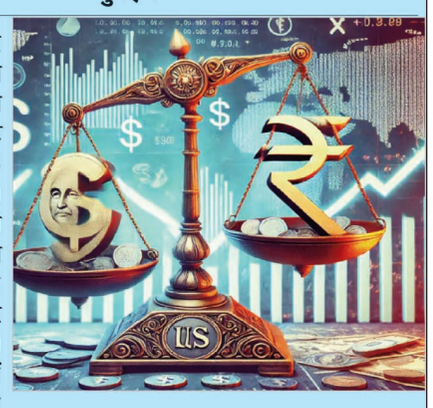

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 32 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.03 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे टूटकर 93.77 प्रति डॉलर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर में मजबूती से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका में महंगाई तथा रोजगार के नवीनतम आंकड़ों से अमेरिकी कोष बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर मजबूत हुए हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के साथ घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती और विदेशी पूंजी का प्रवाह रुपये को समर्थन दे सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 93.73 प्रति डॉलर पर खुला। फिर टूटकर 93.77 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को छह पैसे मजबूत होकर 93.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ 103.03 पर आ गया।

पिछले पांच माह से घरेलू सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित

बांग्लादेश में 52 फीसदी की वृद्धि और पाकिस्तान में भी महंगाई की मार

नई दिल्ली ।

जहां एक ओर भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतें पिछले करीब पांच महीनों से स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान में उपभोक्ताओं को लगातार बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति भारतीय परिवारों के मासिक बजट के लिए बड़ी राहत लेकर आई है, जबकि पड़ोसियों के लिए एलपीजी अब एक महंगा बोझ बन गई है। बांग्लादेश में नवंबर में 12 किलो एलपीजी सिलेंडर का दाम 2,060 टका हो गया है, जो फरवरी से अब तक करीब 52 फीसदी की भारी वृद्धि दर्शाता है। पाकिस्तान में भी एलपीजी की कीमतें आसमान छू रही हैं; 11.8 किलो का घरेलू सिलेंडर अब लगभग 3,470 पाकिस्तानी रुपए का हो गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान के कुछ इलाकों में यह खुले बाजार में 600 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, जो आम जनता के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है। इसके विपरीत, भारत में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम जून 2023 से अपरिवर्तित हैं, दिल्ली में यह 942 रुपए पर कायम है। हालांकि भारत अपनी अधिकांश एलपीजी आयात करता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतें तथा आपूर्ति मार्गों में रुकावट के कारण आयात लागत बढ़ी है, सरकार और सरकारी तेल कंपनियां लागत का बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही हैं। जानकारों के मुताबिक, 1,600 रुपए से अधिक की वास्तविक आपूर्ति लागत के बावजूद, ग्राहकों को केवल 942 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं।

सोने की शुद्धता की गारंटी बढ़ी, 6 और नए जिलों में बढ़ा हॉलमार्किंग का दायरा

बिहार, दिल्ली, गुजरात, यूपी व उत्तराखंड के जिले शामिल; ग्राहकों को मिलेगी शुद्धता की गारंटी

नई दिल्ली ।

सोने की खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अनिवार्य गोल्ड हॉलमार्किंग का दायरा अब देश के 6 और जिलों तक बढ़ा दिया गया है, जिससे कुल 398 जिलों में बिना हॉलमार्क वाले सोने की बिक्री करना दंडनीय अपराध बन गया है। इस कदम का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को सोने की शुद्धता की शत-प्रतिशत गारंटी के रूप में मिलेगा। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना के तहत, भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के अंतर्गत यह चौथा संशोधन आदेश लागू किया गया है। इसके बाद, अब 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 398 जिलों में बिना बीआईएस स्टैंडर्ड मार्क और एचयूआईडी (हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन) के सोने के आभूषणों का निर्माण, भंडारण या बिक्री गैरकानूनी मानी जाएगी। नए शामिल किए गए 6 जिलों में बिहार का पश्चिमी चंपारण, दिल्ली का दक्षिण पश्चिम दिल्ली, गुजरात का पंचमहल, उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर और संत कबीर नगर, तथा उत्तराखंड का रुद्रप्रयाग शामिल हैं। यह नियम 14के से 24के तक की विभिन्न शुद्धता वाले सोने के आभूषणों पर लागू है, और इन जिलों के सभी ज्वेलर्स को बीआईएस पोर्टल पर



पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इस विस्तार से ग्राहकों को सोने की खरीद पर धोखाधड़ी से मुक्ति मिलेगी।

हॉलमार्किंग यह सुनिश्चित करती है कि उपभोक्ता जो सोना खरीद रहे हैं, वह बिल पर दर्ज शुद्धता के अनुरूप ही हो। प्रत्येक हॉलमार्क वाले आभूषण पर मौजूद एचयूआईडी नंबर के जरिए, ग्राहक बीआईएस केयर मोबाइल ऐप पर सोने की पूरी जानकारी सत्यापित कर सकते हैं, जिससे खरीद में पूरी पारदर्शिता और विश्वास बना रहेगा।

भारत को एआई अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली ।

भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बदल रही वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल निवेश और तकनीकी लाभ हासिल करने वाले देश के बजाय एक सक्रिय भागीदार बनना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार एआई कारोबार, रोजगार और काम करने के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भारत के पास अपनी तकनीकी प्रतिभा व मजबूत घरेलू बाजार के दम पर इस क्षेत्र में नेतृत्व करने का बेहतरीन अवसर है, जबकि अमेरिका और चीन अभी अग्रणी हैं।

भारतीय कंपनियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए नई तकनीकों के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। इस बीच, यूरोप और ब्रिटेन में कुछ कंपनियों के कम मूल्यांकन से भारतीय फर्मों के लिए विदेश में वैश्विक ब्रांड, तकनीक और कारोबारी क्षमताएं हासिल करने के अवसर बढ़े हैं, खासकर औद्योगिक, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में।

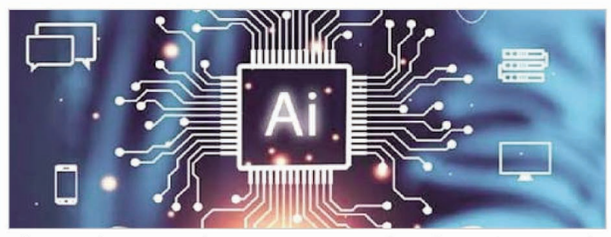

घरेलू पूंजी बाजार भी मजबूत स्थिति में है, जहां सात-आठ बड़े आईपीओ को मंजूरी मिल चुकी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि उचित मूल्यांकन पर आईपीओ, एफपीओ और ब्लॉक डील के माध्यम से अगले वर्ष भी लगभग 50 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई जा सकती है। विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर विकास संभावनाओं वाली कंपनियां और मजबूत कारोबारी माहौल अनुकूल कर व्यवस्था से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

बजाज फाइनेंस क्यूआईपी से 11,700 करोड़ जुटाएगी



नई दिल्ली ।

बजाज फाइनेंस ने कारोबार विस्तार के लिए पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 11,700 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने की पेशकश शुरू की।कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की विशेष समिति ने बैठक में पेशकश की शर्तों के अनुरूप पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए निर्गम खोलने को मंजूरी दी।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने बताया कि समिति ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आईसीडीआर नियमों में निर्धारित मूल्य निर्धारण प्रक्रिया के आधार पर प्रति इक्विटी शेयर 992.25 रुपये का न्यूनतम मूल्य भी तय किया है।

अमूल-मदर डेयरी ने 2 से 4 रुपए तक बढ़ाए दाम

12 नवंबर से पूरे देश में नई दरें लागू

नई दिल्ली ।

महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों को एक और झटका लगा है। देश की दो प्रमुख डेयरी कंपनियों, अमूल और मदर डेयरी, ने 12 नवंबर गुरुवार से दूध की कीमतों में 2 से 4 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि पूरे देश में लागू होगी, जिससे रसोई का बजट और प्रभावित होगा। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) के अनुसार अमूल दूध की कीमतों में करीब 4 से 5 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। अमूल ताजा टोंड दूध (3 फीसदी फैट) अब 2 रुपये महंगा होकर 59 रुपये प्रति लीटर मिलेगा, जबकि अमूल गोल्ड (6 फीसदी फैट) की कीमत में 4 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह 74 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह, मदर डेयरी ने भी अपनी विभिन्न किस्मों के दाम 2 से 4 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए हैं।



कंपनियों ने इस वृद्धि का कारण दूध उत्पादन और प्रसंस्करण लागत में लगातार हो रही वृद्धि को बताया है। पशु आहार जैसे हरा और सूखा चारा, खली, मक्का और शीरा के दाम बढ़ने के साथ-साथ पैकेजिंग फिल्म और ईंधन की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। जीसीएमएमएफ ने यह भी बताया कि अनियमित बारिश के कारण पशुपालकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना 2031 तक बढ़ी, नए उद्यमियों को मिलेगा लाभ

केंद्र सरकार ने योजना को 31 मार्च 2031 तक जारी रखने की मंजूरी दी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को कारोबार शुरू करने में मदद करने वाली स्टैंड-अप इंडिया योजना को 31 मार्च 2031 तक बढ़ा दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस विस्तार को मंजूरी दी, साथ ही योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज की गारंटी के लिए 4,111 करोड़ रुपये का फंड भी स्वीकृत किया। इस कदम का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 2.5 लाख अतिरिक्त उद्यमियों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। अप्रैल 2016 में शुरू हुई इस योजना ने अब तक 2.75 लाख से अधिक महिला और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों को लाभान्वित किया है। इसके तहत पात्र आवेदक 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का बैंक ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग नया कारोबार स्थापित करने, मशीनरी खरीदने और शुरुआती खर्चों को पूरा करने में किया जा सकता है। योजना परियोजना की कुल लागत का अधिकतम 85 फीसदी तक ऋण कवर करती है। यह योजना विनिर्माण, सेवा, व्यापार और कृषि से जुड़ी सहायक गतिविधियों में नया उद्यम शुरू करने के लिए सहायक है।

इसका मूल उद्देश्य पूंजी की कमी के कारण कारोबार शुरू करने में असमर्थ लोगों को अवसर प्रदान करना है। सरकार द्वारा स्वीकृत 4,111 करोड़ रुपए का गारंटी फंड ऋण राशि के 85 प्रतिशत तक का कवर प्रदान करेगा, जिसके लिए सामान्य गारंटी शुल्क 0.50 प्रतिशत निर्धारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार से महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, हालांकि ऋण की अंतिम मंजूरी आवेदक की पात्रता और बैंक के नियमों पर निर्भर करेगी।

किसानों को बड़ी राहत,गैर-यूरिया उर्वरकों पर रिकॉर्ड सब्सिडी

सरकार ने 62,370 करोड़ रुपये किए आवंटित

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने किसानों को बढ़ती उर्वरक कीमतों के बोझ से बचाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। गैर-यूरिया उर्वरकों पर सब्सिडी में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिसके तहत पोषक तत्व आधारित सब्सिडी व्यवस्था के लिए 62,370.02 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस फैसले से चालू वित्त वर्ष में गैर-यूरिया उर्वरकों पर कुल सब्सिडी बढ़कर रिकॉर्ड 1.03 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी, जो बजट अनुमान से 92.41 प्रतिशत अधिक है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में तेजी, विशेषकर सल्फर में भारी वृद्धि को देखते हुए उठाया गया है। सरकार ने विशेष रूप से सल्फर पर सब्सिडी में सबसे अधिक बढ़ोतरी की है, जो 2.87 रुपये से बढ़कर लगभग 10.42 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। नाइट्रोजन पर 94.21 रुपये और फॉस्फोरस पर 66.11 रुपये प्रति किलोग्राम सब्सिडी तय की गई है। यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल, खासकर सल्फर की कीमतों में 213 प्रतिशत से अधिक की



बढ़ोतरी के जवाब में की गई है। सरकार ने घरेलू सल्फर और सल्फ्यूरिक एसिड उत्पादकों के लिए भी विशेष सहायता पैकेज घोषित किया है, जिसके तहत उन्हें वास्तविक खरीद लागत का 20 प्रतिशत समर्थन मिलेगा। आयातित और घरेलू ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टीएसपी) तथा आयातित मोनो-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के लिए विशेष प्रावधानों को भी आगे बढ़ाया गया है, साथ ही सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) पर मालभाड़ा सब्सिडी जारी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से जटिल एनपी और एनपीकेएस उर्वरकों की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, जिनका घरेलू उत्पादन लागत बढ़ने के कारण प्रभावित हुआ था। यह निर्णय उर्वरक कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने और किसानों को संतुलित पोषक तत्वों वाले उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेगा।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में मजबूत उछाल,लक्ष्य का 53 फीसदी

नई दिल्ली । सरकारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल से 10 नवंबर के बीच देश का प्रत्यक्ष कर संग्रह 11.76 प्रतिशत बढ़कर लगभग 14.42 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह आंकड़ा सरकार के वार्षिक लक्ष्य का 53 प्रतिशत दर्शाता है, जो राजस्व संग्रह में मजबूत गति का संकेत है। इस अवधि में, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.32 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि व्यक्तिगत करदाताओं, कंपनियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से प्राप्त शुद्ध गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 5.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 7.56 लाख करोड़ रुपये हो गया। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से मिलने वाले राजस्व में 52 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो 54,078 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। सरकार ने इस दौरान करदाताओं को 3.08 लाख करोड़ रुपये का रिफंड भी जारी किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर संग्रह 14 प्रतिशत बढ़कर 17.50 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष करों से 26.97 लाख करोड़ रुपये जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसमें से 10 नवंबर तक 53 प्रतिशत से अधिक का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

सम्पादकीय

जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, देश के भविष्य का आईना है



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में जनगणना का विशेष महत्व होता है। यह केवल घरों की गिनती, लोगों की संख्या या परिवारों का विवरण जुटाने की सरकारी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति को समझने का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। सरकार की नीतियां, विकास योजनाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और बुनियादी सुविधाओं का भविष्य काफी हद तक जनगणना से प्राप्त आंकड़ों पर निर्भर करता है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जनगणना का महत्व और भी बढ़ जाता है। यहां गांव और शहर, गरीब और अमीर, शिक्षित और अशिक्षित, किसान, मजदूर, व्यापारी तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों की जरूरतें अलग-अलग हैं। जब तक इनकी वास्तविक स्थिति का सही आकलन नहीं होगा, तब तक विकास योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पूरी तरह पहुंचाना चुनौती बना रहेगा।

जनगणना-2027 इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर है। इस बार स्व-गणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। नागरिक 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था तकनीक के माध्यम से आम नागरिकों को सीधे जनगणना प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन सवाल केवल ऑनलाइन जानकारी भरने का नहीं है। सबसे बड़ी चुनौती आंकड़ों की शुद्धता और नागरिकों के विश्वास की है। यदि कोई परिवार गलत जानकारी देता है, किसी सदस्य का विवरण छूट जाता है या लोग लापरवाही बरतते हैं तो इसका असर भविष्य की योजनाओं पर पड़ सकता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को चाहिए कि वह अपनी जानकारी पूरी जिम्मेदारी और सावधानी से दर्ज करे।

जनगणना को लेकर समाज में जागरूकता फैलाना भी प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, युवाओं और मीडिया को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। फर्रुखाबाद में प्रशासन ने सांसद, विधायकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को स्व-गणना अभियान से जोड़ने की पहल की है। यह अच्छी शुरुआत है, लेकिन अभियान की सफलता तभी मानी जाएगी जब आम नागरिक भी इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

आज डिजिटल युग में जब अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन हो रही हैं, तब यह भी आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों, अशिक्षित परिवारों और तकनीक से दूर रहने वाले नागरिकों को स्व-गणना की प्रक्रिया समझाई जाए। उन्हें बताया जाए कि जानकारी कैसे भरनी है और किसी प्रकार की परेशानी होने पर सहायता कहां मिलेगी। डिजिटल सुविधा का लाभ तभी सार्थक होगा जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी इससे जुड़ सके। मीडिया की भूमिका भी यहां बेहद महत्वपूर्ण है। समाचार पत्रों, समाचार चैनलों और डिजिटल माध्यमों को केवल सरकारी सूचनाएं प्रकाशित करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जनगणना के महत्व, प्रक्रिया और नागरिकों की जिम्मेदारियों को सरल भाषा में समझाना चाहिए। यह भी ध्यान रखना होगा कि नागरिकों के मन में उनकी व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा को लेकर कोई भ्रम या भय न रहे। प्रशासन को पारदर्शिता के साथ यह स्पष्ट करना चाहिए कि जानकारी किस उद्देश्य से एकत्र की जा रही है और उसकी गोपनीयता कैसे सुरक्षित रखी जाएगी।

अंततः जनगणना सरकार का कार्यक्रम जरूर है, लेकिन इसकी सफलता जनता की भागीदारी से ही संभव है। सही आंकड़े होंगे तो योजनाएं बेहतर बनेंगी, संसाधनों का उचित आकलन होगा और विकास की प्राथमिकताएं तय करने में मदद मिलेगी।

प्रधान संपादक

महिला खिलाड़ियों की उड़ानः भारत की बेटियों ने रचा इतिहास

डॉ. विजय गर्ग

किसी भी देश की प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक समृद्धि या वैज्ञानिक उपलब्धियों से ही नहीं, बल्कि इस बात से भी किया जाता है कि वहाँ महिलाओं को कितने अवसर और सम्मान मिलते हैं। जब महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है, तो वे हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करती हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने एशियाई खेलों में अपने शानदार प्रदर्शन से इस बात को साबित किया है।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, कबड्डी, निशानेबाजी और अन्य खेलों में अपनी मेहनत और प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने न केवल पदक जीते हैं, बल्कि देश की लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी हैं। उनकी उपलब्धियों ने साबित किया है कि सफलता का संबंध लिंग से नहीं, बल्कि मेहनत, अनुशासन, साहस और अवसरों से होता है।

इन खिलाड़ियों का सफर आसान नहीं रहा है। कई खिलाड़ियों को आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक प्रतिबंधों, प्रशिक्षण की कमी और पारिवारिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। कठिन अभ्यास, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा ऊँचा किया।

महिला खिलाड़ियों की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसने समाज की सोच बदलने में योगदान दिया है। आज माता-पिता अपनी बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। गाँवों और छोटे शहरों की लड़कियाँ भी बड़े सपने देख रही हैं। वे समझने लगी हैं कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सम्मानजनक करियर और देश की सेवा का माध्यम भी हैं।

हालाँकि, महिला खेलों को अभी भी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई क्षेत्रों में आधुनिक खेल सुविधाओं, महिला प्रशिक्षकों, पौष्टिक आहार, सुरक्षित वातावरण और आर्थिक सहायता की कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाशाली लड़कियाँ अक्सर उचित अवसरों से वंचित रह जाती हैं। इसलिए सरकार, खेल संस्थाओं, विद्यालयों और समाज को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

विद्यालय स्तर से ही लड़कियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। प्रत्येक विद्यालय में खेल के मैदान, प्रशिक्षण और आवश्यक उपकरण उपलब्ध होने चाहिए। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति, पौष्टिक आहार, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। खिलाड़ियों की सफलता को केवल पदकों से नहीं, बल्कि उनके संघर्ष और समर्पण से भी जोड़कर देखना चाहिए।

भारतीय महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ हमें यह संदेश देती हैं कि यदि बेटियों को समान अवसर, सहयोग और सम्मान मिले, तो वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहतीं। उनकी प्रत्येक जीत नई पीढ़ी को अपने सपने पूरे करने की प्रेरणा देती है।

वास्तव में, जब कोई बेटी खेल के मैदान में पदक जीतती है, तो केवल एक खिलाड़ी ही नहीं जीतती, बल्कि पूरा देश गौरवान्वित होता है। हमें ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए जहाँ प्रत्येक बेटी को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिले। क्योंकि जब महिलाएँ आगे बढ़ती हैं, तो परिवार, समाज और देश भी प्रगति करते हैं।

बेटियों की उड़ान ही भारत की नई पहचान और प्रगति का वास्तविक प्रतीक है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

अलमारीः अधूरे सपनों का संग्रहालय

डॉ. प्रियंका सौरभ

हर साल दिवाली से पहले घर की सफाई का सिलसिला शुरू हो जाता था। घर के कोने-कोने से पुरानी चीजें निकाली जातीं, अनुपयोगी सामान छाँटा जाता और उन वस्तुओं को बाहर का रास्ता दिखाया जाता, जिनकी उपयोगिता अब समाप्त हो चुकी थी। प्रियंका भी इस बार पूरे उत्साह के साथ सफाई में जुटी हुई थी। रसोई से लेकर बैठक तक सब कुछ व्यवस्थित करने के बाद उसकी नजर कमरे के एक कोने में रखी बड़ी-सी अलमारी पर पड़ी। यह अलमारी किताबों से भरी हुई थी। कुछ किताबें करीने से रखी थीं तो कुछ के पन्नों पर धूल की मोटी परत जम चुकी थी। कई पुरानी पत्रिकाएँ, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें, सामान्य ज्ञान के संकलन, पुराने प्रश्नपत्र और हाथ से तैयार किए गए नोट्स वर्षों से उसी अलमारी में जगह घेरे हुए थे।

प्रियंका ने अलमारी का दरवाजा खोला और कुछ किताबें बाहर निकालते हुए बड़बड़ाई, पता नहीं इन किताबों को कब तक सँभालकर रखोगे? अब इनका क्या काम है? कितने साल हो गए इन्हें हाथ लगाए हुए। न तुम इन्हें पढ़ते हो और न ही किसी और के काम आती हैं। बेवजह इतनी जगह रोक रखी है। इस बार दिवाली पर अलमारी खाली कर ही दो।

सत्यम ने उसकी बात सुनी, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया। वह धीरे-धीरे अलमारी के पास आया। सामने रखी किताबों को देखने लगा। उसने एक पुरानी पुस्तक उठाई। उसके ऊपर धूल जमी हुई थी। उसने अपनी हथेली से धूल साफ की और किताब के पन्ने पलटने लगा। कुछ ही क्षणों में उसके चेहरे पर एक अलग-सी गंभीरता उतर आई। वह किताब पढ़ नहीं रहा था, बल्कि उसके पन्नों के बीच अपने बीते हुए दिनों को तलाश रहा था।

उस पुस्तक के पहले पन्ने पर उसका नाम लिखा था। नीचे खरीदने की तारीख भी दर्ज थी। उसे याद आया कि यह किताब उसने कितने उत्साह से खरीदी थी। उस समय उसके भीतर कुछ कर गुजरने का जुनून था। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उसके जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य हुआ करती थी। सुबह जल्दी उठना, घंटों अध्ययन करना, कठिन विषयों के नोट्स बनाना, पुराने प्रश्नपत्र हल करना और परीक्षा की तारीखों का इंतजार करना उसकी दिनचर्या का हिस्सा था। किताबों के बीच उसे अपना भविष्य दिखाई देता था। हर नया विषय उसे एक नई संभावना की तरह लगता था।

उस समय उसे लगता था कि मेहनत और लगन से वह अपनी मंजिल जरूर प्राप्त कर लेगा। उसने अपने लिए कई लक्ष्य निर्धारित किए थे। कभी किसी प्रशासनिक पद पर बैठने का सपना देखा, कभी समाज में अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा पाली। उसे विश्वास था कि एक दिन वह अपने परिवार की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा और अपने सपनों को वास्तविकता में बदल देगा।

लेकिन जिंदगी हमेशा हमारी योजनाओं के अनुसार नहीं चलती। कई बार परिस्थितियाँ ऐसी करवट लेती हैं कि मनुष्य अपने लक्ष्य से अधिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देने लगता है। सत्यम के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ।

समय बीतता गया। पढ़ाई के साथ नौकरी की तलाश, फिर नौकरी मिलने के बाद उसकी जिम्मेदारियाँ, परिवार की आवश्यकताएँ और जीवन की दूसरी व्यस्तताएँ बढ़ती चली गईं। धीरे-धीरे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मिलने वाला समय कम होता गया। पहले वह रोज कई घंटे पढ़ता था, फिर कुछ घंटे और अंततः कभी-कभार किताबें खोलने तक सीमित रह गया।

शुरुआत में उसने सोचा था कि नौकरी के साथ भी तैयारी जारी रखेगा। उसने कई बार समय-सारिणी बनाई। रात को देर तक पढ़ने और सुबह जल्दी उठने के संकल्प लिए। कुछ दिनों तक उत्साह बना भी रहता, लेकिन फिर कोई पारिवारिक आवश्यकता, कोई कार्यालय का काम या कोई दूसरी जिम्मेदारी उसके संकल्प को पीछे धकेल देती।

समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। एक दिन उसे एहसास हुआ कि जिन परीक्षाओं की तैयारी में उसने अपने जीवन के कई वर्ष लगाए थे, उनकी निर्धारित आयु-सीमा भी अब उसके सामने एक बंद दरवाजे की तरह खड़ी थी। कुछ अवसर हाथ से निकल चुके थे और कुछ के लिए अब वह पात्र नहीं रहा था।

अब उसके पास एक अच्छी नौकरी थी। परिवार था। पत्नी थी। एक छोटा बच्चा था, जिसकी मुस्कान उसके दिनभर की थकान मिटा देती थी। घर में खुशियाँ थीं, जीवन में स्थिरता थी और जिम्मेदारियों को निभाने का संतोष भी था। बाहर से देखने पर उसका जीवन सामान्य और व्यवस्थित दिखाई देता था। लेकिन उसके भीतर कहीं एक ऐसा कोना था, जहाँ कुछ अधूरे प्रश्न आज भी जीवित थे।

वह अक्सर सोचता कि क्या जीवन केवल जिम्मेदारियाँ निभाने का नाम है? क्या मनुष्य को अपने सपनों के साथ समझौता कर लेना चाहिए? क्या परिवार के लिए जीते-जीते स्वयं के लिए जीना भूल जाना ही जीवन की सबसे बड़ी विवशता है?

इन प्रश्नों के उत्तर उसके पास नहीं थे। प्रियंका अब भी किताबों को छाँट रही थी। उसने एक पुरानी पुस्तक उठाकर कहा, देखो, इस पर तो कितनी धूल जम गई है। इसे खरीदे हुए भी कितने साल हो गए होंगे। अब तो इसका नया संस्करण भी आ गया होगा। पुरानी किताबें रखकर क्या फायदा?

सत्यम ने किताब उसके हाथ से लेकर वापस अलमारी में रख दी। इसे रहने दो। लेकिन क्यों? तुमने इसे आखिरी बार कब पढ़ा था?

सत्यम चुप रहा। प्रियंका ने फिर पूछा, आखिर इन किताबों में ऐसा क्या है, जो तुम इन्हें छोड़ना ही नहीं चाहते?

वह कुछ देर तक अलमारी को देखता रहा। फिर धीमी आवाज में बोला, तुम्हें ये सिर्फ पुरानी किताबें दिखाई देती हैं, लेकिन मेरे लिए ये सिर्फ किताबें नहीं हैं। प्रियंका ने उसकी ओर देखा।

इनमें मेरी मेहनत है। मेरी रातों की नींद है। मेरी उम्मीदें हैं। कितनी बार ऐसा हुआ कि किसी प्रश्न का उत्तर नहीं मिलता था तो पूरी रात उसी के पीछे लगा रहता था। किसी परीक्षा का परिणाम आता था तो सबसे पहले इन्हीं किताबों के बीच बैठकर अपनी गलतियाँ तलाशता था। कभी निराश होता था, कभी फिर से तैयारी शुरू करने का मन बनाता था। इन किताबों ने मेरे जीवन का एक ऐसा दौर देखा है, जिसे मैं चाहकर भी वापस नहीं पा सकता। प्रियंका उसकी बात सुनती रही। सत्यम ने एक पुरानी कॉपी निकाली। उसके पन्ने पीले पड़ चुके थे। कई जगह स्याही फैल गई थी। कुछ पन्नों पर महत्वपूर्ण तथ्यों को लाल पेन से रेखांकित किया गया था। एक पन्ने के कोने पर उसने अपने हाथ से लिखा था– एक दिन मंजिल जरूर मिलेगी।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

राशिफल

मेष राशि। आज का दिन कामकाज में व्यस्तता लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृषभ राशि। आज आपके लिए दिन सकारात्मक रह सकता है। रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे और पुराने प्रयासों का लाभ मिल सकता है।

मिथुन राशि। आज आपको कामकाज में सफलता मिल सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं।

कर्क राशि। आज का दिन राहत और खुशियां लेकर आ सकता है। परिवार में चल रही परेशानियां कम हो सकती हैं।

सिंह राशि। आज आपको धैर्य से काम लेने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में किसी योजना को पूरा करने में देरी हो सकती है।

कन्या राशि। आज का दिन सामान्य से बेहतर रह सकता है। नौकरी और व्यापार में पुराने संपर्कों से फायदा मिलने की संभावना है।

तुला राशि। आज आपके लिए दिन शुभ रह सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक राशि। आज आपको अपने काम पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। किसी पुराने मामले को लेकर चिंता हो सकती है। आर्थिक मामलों में बड़ा जोखिम लेने से बचें।

धनु राशि। आज का दिन आपके लिए उत्साह और नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। रुके हुए काम पूरे होने की उम्मीद है।

मकर राशि। आज आपको आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। अचानक कुछ खर्च सामने आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

कुंभ राशि। आज का दिन लाभ और नए संपर्क बनाने के लिहाज से अच्छा रह सकता है। व्यापार में फायदा मिलने के योग हैं। दोस्तों का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि। आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलने की संभावना है। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है।

संघर्ष की अग्निशिखा से स्वाभिमान के स्वर्णिम शिखर तक

सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और उसकी सांस्कृतिक जड़ें उन वनांचलों तक फैली हैं, जहां प्रकृति के सान्निध्य में जनजातीय समाज ने अपनी सभ्यता, संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों की अनूठी विरासत को सदियों से संजोकर रखा है। यह वह समाज है, जिसने जंगलों को केवल संसाधन नहीं, जीवन का आधार माना; पहाड़ों को केवल भूभाग नहीं, आस्था का प्रतीक समझा और धरती को केवल संपत्ति नहीं, मां का स्वरूप स्वीकार किया। भारतीय इतिहास के पन्नों पर इस समाज के संघर्ष, शौर्य, त्याग और बलिदान की ऐसी अमिट गाथाएं अंकित हैं, जिन्हें विस्मृत करना राष्ट्र की स्मृतियों के साथ अन्याय होगा। इसी गौरवशाली परंपरा, अदम्य साहस और अस्मिता के सम्मान का राष्ट्रीय पर्व है ; जनजातीय गौरव दिवस।



प्रत्येक वर्ष 15 नवंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस महान जननायक एवं स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को समर्पित है। वर्ष 2021 में भारत सरकार ने उनकी जयंती को प्रतिवर्ष जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह केवल किसी महापुरुष की जयंती का आयोजन नहीं, बल्कि उन असंख्य जनजातीय नायकों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रकटीकरण है, जिन्होंने मातृभूमि, स्वाधिकार और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

बिरसा मुंडा - 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातू गांव में जन्मे बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही जनजातीय समाज की पीड़ा, शोषण और पराधीनता को गहराई से अनुभव किया। अंग्रेजी हुकूमत की दमनकारी नीतियां, जमींदारों का अत्याचार, साहूकारों का शोषण और जल-जंगल-जमीन पर बढ़ते बाहरी हस्तक्षेप ने जनजातीय जीवन को संकटग्रस्त कर दिया था। ऐसे समय में बिरसा मुंडा ने सोई हुई जनचेतना को जागृत किया और अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध का शंखनाद किया। उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ उलगुलान केवल विद्रोह नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक सुधार और क्रांतिकारी संघर्ष का अद्भुत संगम था।अंग्रेजी शासन ने उनके आंदोलन को कुचलने के लिए दमन का सहारा लिया। अंततः 9 जून 1900 को रांची जेल में उनका निधन हो गया। मात्र 25 वर्ष की आयु में उनका जीवन भले ही समाप्त हो गया, लेकिन उनके विचारों की ज्वाला आज भी जनजातीय स्वाभिमान को आलोकित कर रही है। वे इतिहास के केवल एक क्रांतिकारी नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और अधिकार चेतना के अमर प्रतीक हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गाथा जनजातीय वीरों के अदम्य पराक्रम के बिना अधूरी है।

देश के विभिन्न अंचलों में जनजातीय समाज ने अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध समय-समय पर विद्रोह किए और अपने रक्त से स्वाधीनता की इबारत लिखी।तिलका मांझी ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती दी। सिद्धू-कान्हू, चांद और भैरव ने 1855 के संथाल हूल में जनसमुदाय को संगठित कर औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया।

टंट्या भील ने अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध का प्रतीक बनकर जनजातीय समाज में साहस का संचार किया। रानी दुर्गावती ने अद्वितीय शौर्य और स्वाभिमान का परिचय दिया। रानी गाइदिन्ल्यू ने पूर्वोत्तर भारत में स्वतंत्रता और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। अल्लूरी सीताराम राजू ने आंध्र प्रदेश के वनांचलों में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध सशस्त्र आंदोलन का नेतृत्व किया। इन वीरों का बलिदान इस सत्य का उद्घोष करता है कि आजादी की लड़ाई महज राजनीतिक नेतृत्व और बड़े शहरों तक सीमित नहीं थी। उसकी चिंगारी देश के सुदूर जंगलों, पर्वतीय क्षेत्रों और जनजातीय बस्तियों में भी धधक रही थी। दुर्भाग्य से इतिहास लेखन में इन नायकों को लंबे समय तक वह स्थान नहीं मिला, जिसके वे वास्तविक अधिकारी थे। जनजातीय गौरव दिवस उसी ऐतिहासिक विस्मृति को दूर करने और राष्ट्रीय चेतना में उनके योगदान को प्रतिष्ठित करने का सार्थक प्रयास है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

एआई से बनवाना चाहते हैं शानदार ट्रैवल प्लान?

यूथ इंडिया

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है। आज एआई कुछ ही सेकंड में बड़े-बड़े दस्तावेजों से जरूरी जानकारी निकाल सकता है, मुश्किल गणितीय सवालों को हल करने में मदद कर सकता है और पुरानी यादों को तस्वीरों के रूप में दोबारा तैयार कर सकता है। लेकिन जब बात कई दिनों की छुट्टियों की योजना बनाने की आती है, तो यही तकनीक कई बार उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं दे पाती। उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति को एक सप्ताह के लिए घूमने जाना है और वह एआई से पूरी यात्रा का प्लान बनाने को कहता है, तो जवाब में उसे सामान्य पर्यटन स्थलों और मशहूर रेस्टोरेंट की सूची मिल सकती है। इसमें उसकी पसंद, बजट, यात्रा का समय और सुविधाओं की जरूरतों का ध्यान नहीं रखा जाता। ऐसे में सवाल उठता है कि इतनी आधुनिक तकनीक ट्रैवल प्लानिंग में कई बार कमजोर क्यों साबित होती है?

दरअसल, इसकी सबसे बड़ी वजह एआई को दिए जाने वाले प्रॉम्प्ट यानी निर्देश होते हैं। एआई चैटबॉट अपने आप यह नहीं समझ सकते कि आप किस तरह की यात्रा करना चाहते हैं। उन्हें आपकी पसंद, जरूरत और प्राथमिकताओं के बारे में उतनी ही जानकारी होती है, जितनी आप अपने सवाल में देते हैं। पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के व्हार्टन स्कूल में एआई पर शोध करने वाले प्रोफेसर एथन मोलिक के मुताबिक, एआई को ऐसा समझना चाहिए जैसे आप किसी समझदार व्यक्ति के साथ काम कर रहे हों, जिसे आपकी जरूरतों के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं है। अगर आप उसे अधूरी जानकारी देंगे, तो उसका जवाब भी सामान्य या अधूरा हो सकता है। इसलिए बेहतर परिणाम पाने के लिए केवल जगह का नाम बताना काफी नहीं है, बल्कि यह भी समझाना जरूरी है कि आप वहां किस उद्देश्य से जा रहे हैं और किस तरह का अनुभव चाहते हैं।

इस विषय को समझने के लिए रोम और न्यूयॉर्क की पांच-पांच दिनों की काल्पनिक यात्राओं पर आधारित एक प्रयोग किया गया। इसमें अलग-अलग एआई प्लेटफॉर्म के मुफ्त और पेड वर्जन का इस्तेमाल किया गया। प्रयोग में ChatGPT, Gemini और Claude जैसे चैटबॉट शामिल थे। जवाबों की तुलना अधिक निष्पक्ष तरीके से करने के लिए नए अकाउंट और अस्थायी चैट का इस्तेमाल किया गया, ताकि पहले से मौजूद बातचीत या यूजर की पसंद का प्रभाव न पड़े। इस प्रयोग से पता चला कि एआई यात्रा की योजना तैयार करने में काफी उपयोगी हो सकता है। यह घूमने की नई जगहें सुझा सकता है, अलग-अलग पर्यटन स्थलों को एक क्रम में व्यवस्थित कर सकता है और यात्रा से संबंधित जानकारी जुटाने में लगने वाला समय भी बचा सकता है। हालांकि, इसका पूरा फायदा तभी मिलता है, जब इसे सही और स्पष्ट निर्देश दिए जाएं।

ट्रैवल प्लानिंग के दौरान सबसे आम गलती यह होती है कि लोग एआई से बहुत छोटे और सामान्य सवाल पूछते हैं। उदाहरण के लिए, मुझे पांच दिन के लिए रोम घूमने का प्लान बताओ या न्यूयॉर्क में घूमने की अच्छी जगहें बताओ। ऐसे सवालों के जवाब में एआई आमतौर पर लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की सूची दे देता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक महाफैसला!

एड. किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता और पारिवारिक संस्कृति में संयुक्त परिवार व्यवस्था का सदियों से विशेष स्थान रहा है। दादा परिवार के मुखिया,पिता परिवार की जिम्मेदारियों के वाहक और पोती-पोते परिवार की भावी पीढ़ी के प्रतीक माने जाते रहे हैं।संयुक्त परिवार में संपत्ति केवल आर्थिक संसाधन नहीं,बल्कि पीढ़ियों की विरासत,पारिवारिक सम्मान और आपसी विश्वास का प्रतीक भी रही है।लेकिन बदलते सामाजिक परिवेश, डिजिटल युग की नई पीढ़ी की स्वतंत्र सोच,पारिवारिक हस्तक्षेप, संपत्ति के बढ़ते बाजार मूल्य और आपसी मतभेदों के कारण संयुक्त परिवारों में संपत्ति विवाद लगातार कानूनी चुनौती बनते जा रहे हैं।

अनेक विवाद निचली अदालतों से होते हुए उच्च न्यायालयों और अंततः सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच रहे हैं। इसी महत्वपूर्ण कानूनी परिप्रेक्ष्य में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगाकि 6 नवंबर 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐसा फैसला सुनाया है,जिसने दादा से पिता को विरासत में मिली संपत्ति पर पोते के जन्मसिद्ध अधिकार के सवाल को नई कानूनी स्पष्टता प्रदान की है।अदालत ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के अंतर्गत पिता को प्राप्त संपत्ति केवल इस कारण संयुक्त हिंदू परिवार की पैतृक संपत्ति नहीं बन जाती कि वह उसके पिता अर्थात पोते के दादा से विरासत में मिली है।

इस फैसले का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यह परिवारों में संपत्ति के स्वामित्व, उत्तराधिकार और सहदायिकी अधिकारों के बीच अंतर को समझने का अवसर देता है।इस ऐतिहासिक निर्णय का नाम है जे .राजेश (माइनॉर) थ्रू हिज मदर एंड नेचुरल गार्डियन जे.गोमाथी वर्सेज. एम.कुमारण(डेड) थ्रु एलआर एस एंड ऑदर्स। न्यूट्रल साइटेशनः 2026आइएनएससी 1208 अपील संख्याः सिविल अपील नों. 7020 श्रद्ध 2012 पीठः न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह एवं न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल, निर्णय लिखने वाली न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल परिणाम : अपील खारिज,मद्रास हाईकोर्ट का निर्णय बरकरार।यह निर्णय केवल किसी एक परिवार के संपत्ति विवाद का निपटारा नहीं है,बल्कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत विरासत में मिली संपत्ति और पारंपरिक सहदायिकी संपत्ति के बीच अंतर को पुनः स्थापित करता है।

इस मामले में अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल संपत्ति का मूल स्रोत दादा होना, उसे पोते के लिए स्वतः जन्मसिद्ध अधिकार वाली संपत्ति नहीं बना देता। सुप्रीम कोर्ट ने सभी प्रकार की पैतृक संपत्ति में पोते का अधिकार समाप्त नहीं किया है। निर्णय का वास्तविक केंद्र धारा 8 के अंतर्गत प्राप्त व्यक्तिगत विरासत और संयुक्त सहदायिकी संपत्ति के बीच कानूनी अंतर है।

साथियों बात अगर हम हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 8 का असली अर्थ क्या है? इसको समझने की करें तो,इस फैसले की सबसे महत्वपूर्ण कानूनी धुरी हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 है। यह धारा उस स्थिति में लागू होती है जब किसी हिंदू पुरुष की मृत्यु बिना वसीयत किए हो जाती है। ऐसी स्थिति में उसकी संपत्ति कानून में निर्धारित उत्तराधिकारियों के क्रम के अनुसार हस्तांतरित होती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

बाल दिवस पर बच्चों को संदेशः सोचने की क्षमता कभी कमजोर न पड़ने दें

यूथ इंडिया

बाल दिवस केवल बचपन की खुशियों और उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि यह बच्चों की प्रतिभा, रचनात्मकता और सपनों को पहचानने का भी अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि आज के बच्चे ही आने वाले समय में देश की दिशा और दशा तय करेंगे।

बच्चों के भीतर छिपी जिज्ञासा, नई चीजें सीखने की इच्छा और कुछ अलग करने का जुनून ही भविष्य के विकास की नींव है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों को अपनी क्षमताओं को पहचानने, खुलकर सोचने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्हें केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय सवाल पूछने, नई खोज करने और अपने विचारों को व्यवहार में उतारने के अवसर भी मिलने चाहिए।

बच्चों के जीवन में सोचने और समझने की क्षमता का विशेष महत्व है। जीवन में कितनी भी कठिनाइयां और उतार-चढ़ाव आएं, लेकिन अपनी जिज्ञासा और विचार करने की शक्ति को कभी कम नहीं होने देना चाहिए। नई सोच ही प्रगति का आधार बनती है, जबकि विचारों का ठहराव विकास की गति को रोक देता है। इसका असर केवल किसी व्यक्ति के जीवन पर ही नहीं, बल्कि संस्थाओं और पूरे देश की विकास यात्रा पर भी पड़ सकता है। ब्रह्मांड के रहस्यों से लेकर विज्ञान की नई खोजों तक, हर बड़ी उपलब्धि के पीछे किसी न किसी व्यक्ति की जिज्ञासा और लगातार सोचने की क्षमता रही है। इसलिए बच्चों को हर विषय को समझने, सवाल करने और अपनी सोच का दायरा बढ़ाने की आदत विकसित करनी चाहिए।

ज्ञान हासिल करना जीवन की सफलता के लिए जरूरी है, लेकिन केवल जानकारी जमा कर लेना पर्याप्त नहीं है। असली महत्व तब पैदा होता है, जब ज्ञान को सही दिशा में इस्तेमाल किया जाए।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रका

उत्तर प्रदेश में 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले, 05 जिलों के डीएम बदले

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार की देर रात को 38 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। इनमें पांच जिलों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, नगर आयुक्त, सयुंक्त प्रबंध निदेशक के अधिकारी शामिल हैं। तबादलों को आगामी विधानसभा चुनाव-2027 से जोड़कर देखा जा रहा है।

शासन ने जिन आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं, उनमें प्रथमेश कुमार को सीतापुर का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। इससे पहले वह लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष थे। जोगिंद्र सिंह को विशेष सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति से जिलाधिकारी बिजनौर, सुनील कुमार सिंह को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा से जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर, सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को महाराजगंज का नया डीएम बनाया गया है। वहीं, महाराजगंज के गौरव सिंह सोगरवाल को सिद्धार्थनगर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा अनुज सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, वंदना त्रिपाठी को अपर आयुक्त सहारनपुर मंडल, संदीप कुमार को मुख्य विकास अधिकारी मेरठ, प्रतिभा सिंह को अपर आयुक्त कानपुर मंडल समेत 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।

सेंट्रल जोन अंतर विश्वविद्यालयीय पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता में 58 से अधिक विश्वविद्यालयों की टीमें लेंगी हिस्सा

कानपुर।
सेंट्रल जोन अंतर विश्वविद्यालयीय पुरुष फुटबॉल प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के 58 से अधिक विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा लेंगी। आठ दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 1800 से अधिक खिलाड़ी मैदान पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाड़ियों की मौजूदगी से मुकाबले और भी रोमांचक होंगे। यह जानकारी शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में 14 से 21 नवंबर तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता को लेकर कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने दी।

प्रतियोगिता में दोनों राज्यों के विश्वविद्यालयों की टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। इसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके खिलाड़ी भी शामिल होंगे। खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने के साथ ही बेहतर प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा।

आयोजन के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण, आवास, भोजन, खेल मैदान, तकनीकी व्यवस्थाओं और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। रेफरी और मैच अधिकारियों के समन्वय पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे प्रतियोगिता का संचालन व्यवस्थित तरीके से हो सके।

क्रीड़ा परिषद और शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियां तय की जा रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस प्रतियोगिता से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का बड़ा मंच मिलेगा।

साथ ही विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच खेल संबंध और मजबूत होंगे।

लोक आस्था के महापर्व डाला छठ का दूसरा दिन, खरना के साथ शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत

लखनऊ/वाराणसी।
लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व डाला छठ के दूसरे दिन शनिवार को पूरे उत्तर प्रदेश में श्रद्धा और भक्ति का माहौल है। वाराणसी समेत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में व्रती महिलाओं ने सुबह से ही निर्जला उपवास रखकर छठी मइया की आराधना की। दिनभर व्रत रखने के बाद शाम को खरना (संझवत) की परंपरा निभाई जाएगी। इसके साथ ही व्रती महिलाओं का 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत प्रारम्भ हो जाएगा।



खरना पर छठी मइया को लगेगा पारंपरिक प्रसाद का भोग
खरना के अवसर पर व्रती महिलाएं शाम को स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करेंगी और पूरे विधि-विधान से छठी मइया की पूजा-अर्चना करेंगी। इस दौरान छठी मइया को रसियाव (गुड़ की खीर), शुद्ध घी लगी रोटी, अरवा चावल, दूध, गुड़ और केला सहित पारंपरिक पकवानों का भोग लगाया जाएगा। पूजा के बाद व्रती महिलाएं प्रसाद ग्रहण कर खरना का अनुष्ठान पूरा करेंगी और परिवार के सदस्यों तथा शुभचिंतकों के बीच प्रसाद वितरित करेंगी।

खरना के बाद व्रती महिलाएं अगले 36 घंटे तक अन्न और जल का त्याग कर कठिन निर्जला व्रत रखेंगी। इस दौरान परिवार की सुहागिन महिलाओं की मांग भरकर उन्हें अखंड सौभाग्यवती रहने का आशीर्वाद देने की भी परंपरा निभाई जाएगी।

रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्पित होगा पहला अर्घ्य
महापर्व के तीसरे दिन रविवार को व्रती महिलाएं छठी मइया के पारंपरिक गीत गाते हुए सिर पर पूजा की टोकरी और प्रसाद से सजी देउरी लेकर गाजे-बाजे के साथ नदी, सरोवर और तालाबों के घाटों पर पहुंचेंगी। वहां सामूहिक रूप से छठी मइया की कथा सुनने के बाद अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इस दौरान भगवान सूर्य को विशेष रूप से तैयार ठेकुआ, मौसमी फल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की जाएगी।

महापर्व के चौथे और अंतिम दिन सोमवार को व्रती महिलाएं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा-अर्चना करेंगी। इसके बाद पारण के साथ 36 घंटे के कठिन व्रत का समापन होगा।

घाटों और सरोवरों पर पूरी हुई तैयारियां
छठ महापर्व को लेकर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में नदियों, कुंडों, तालाबों और अस्थायी जलाशयों के किनारे तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वाराणसी में सामनेघाट से लेकर भैंसासुर घाट और बरेका स्थित सूर्य सरोवर तक पूजा के लिए वेदियां बनाई गई हैं। गंगा और वरुणा नदी के तट पर भी व्रती महिलाओं के परिजनों ने अपनी सुविधा के अनुसार पूजा स्थल तैयार किए हैं।

इसी तरह प्रयागराज, कानपुर, आगरा, लखनऊ, बलिया और गोरखपुर समेत प्रदेश के अन्य शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी छठ पूजा को लेकर उत्साह और उल्लास का वातावरण है। घाटों की साफ-सफाई, सजावट और पूजा की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

पारंपरिक छठ गीतों से भक्तिमय हुआ माहौल
महापर्व के अवसर पर वाराणसी से लखनऊ और पूर्वांचल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक शहरों से लेकर गांवों तक छठ के पारंपरिक और आधुनिक गीतों की गूंज सुनाई दे रही है। घरों में महिलाएं समूह बनाकर छठी मइया के गीत गा रही हैं और पूरे परिवार के साथ पूजा की तैयारियों में जुटी हैं।

हालांकि, आधुनिक गीतों के बीच छठ के पारंपरिक लोकगीतों का आकर्षण आज भी बरकरार है। 'केरवा के पात पर उगर२ हो सूरज देव, भइल अरग के बेर', 'केरवा जे फरले घउद में ता पर सुग्गा मंडराए', 'मरबऊ रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए' और 'हम तोहसे पूछिले बरतिया करेलू छठ बरतिया से केकरा लागी' जैसे गीत व्रती महिलाओं और उनके परिजनों के बीच खासे लोकप्रिय हैं।

भारतीय हिमालयी आबादी में दूध पचाने की क्षमता से जुड़े तीन नए आनुवंशिक वेरिएंट की खोज



वाराणसी।
भारतीय हिमालयी आबादी में दूध पचाने की क्षमता (लैक्टेज टॉलरेंस) से जुड़े तीन विशिष्ट आनुवंशिक वेरिएंट की पहचान की गई है। छह संस्थानों के 13 वैज्ञानिकों के संयुक्त अध्ययन में सामने आए ये तीनों वेरिएंट पहली बार किसी भारतीय आबादी में दर्ज किए गए हैं। इस खोज से हिमालयी समुदायों में दूध और डेयरी उत्पादों के सेवन के प्रति विकसित हुई आनुवंशिक अनुकूलन प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी। साथ ही प्राचीन मानव प्रवास, ऐतिहासिक व्यापार मार्गों और सांस्कृतिक-आनुवंशिक विकास से जुड़े नए तथ्य भी सामने आ सकेंगे।

यह महत्वपूर्ण शोध कलकत्ता विश्वविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) समेत छह संस्थानों के वैज्ञानिकों ने मिलकर किया है। शोधकताओं ने हिमालयी क्षेत्रों में रहने वाले विभिन्न समुदायों के डीएनए नमूनों का विश्लेषण कर यह जानने का प्रयास किया कि ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों की कठिन परिस्थितियों और पारंपरिक खान-पान के अनुरूप इन समुदायों में किस तरह के आनुवंशिक बदलाव हुए हैं।

--हिमालयी समुदायों में मिले विशिष्ट आनुवंशिक बदलाव
बीएचयू के सेंटर फॉर जेनेटिक डिसऑर्डर की वैज्ञानिक डॉ. चंदना बसु ने शुक्रवार को बताया कि यह शोध दक्षिण एशिया, विशेषकर भारत में दूध और लैक्टोज सहनशीलता के विकास की प्रक्रिया को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

आयकर विभाग की टीम ने आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर की एक साथ कार्रवाई, व्यापारिक जगत में मचा हड़कंप

मथुरा।
आयकर विभाग ने मथुरा, वृंदावन और आगरा में शुक्रवार एक साथ बड़ी कार्रवाई करते हुए कई प्रतिष्ठानों और कारोबारियों के ठिकानों पर सर्वे शुरू किया। मथुरा-वृंदावन में गाजियाबाद से पहुंची विभाग की टीमों ने रेडिशन होटल और शंकर सेठ के गुरुकृपा होटलों सहित कई स्थानों पर दोपहर तक कार्रवाई जारी रखी, जिससे शहर के व्यापारिक जगत में खलबली मच गई। वहीं, आगरा में एमजी रोड और बोदला



सिकंदरा रोड स्थित तनिष्क शोरूम के साथ-साथ संचालक अनुराग बंसल के अनुपम ओरियन अपार्टमेंट पर भी आयकर विभाग के छापे की सूचना है।

घरों में चोरी करने वाले दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

नोएडा।
थाना दादरी पुलिस ने एक मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को शुक्रवार की रात को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश के पैर में लगी है। ये बदमाश घरों से चोरी करने की वारदात को अंजाम देते हैं।



अपर पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा संतोष कुमार ने बताया कि थाना दादरी पुलिस शुक्रवार की रात को आरबी नॉर्थलैंड के पास बैरियर लगाकर बदमाशों की तलाश में चेकिंग कर रही थी, तभी एक बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाश रुकने की बजाय तेजी से मोटरसाइकिल मोड़कर शमशान घाट की तरह भागने लगे। पुलिस ने पीछा करके उन्हें घेर लिया। अपने आपको घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षार्थ पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश साजिद उर्फ टिचकला पुत्र अहमद सईद निवासी कस्बा दादरी उम्र 29 वर्ष के पैर में लगी है।

उन्होंने बताया कि इसका एक साथी रिजवान उर्फ काले मौके से भाग गया था। कांबिंग के दौरान पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इन बदमाशों के पास से एक-एक देशी तमंचा, घटना में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल, चोरी की दो जोड़ी पायल ,दो सोने की अंगूठी, एक सोने की चेन आदि बरामद हुआ है। इन बदमाशों ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि इन लोगों ने एक महीने पहले बसंतपुर गांव में रहने वाले एक व्यक्ति के घर चोरी की थी, जबकि 2 दिन पूर्व सूरजपुर विहार कॉलोनी दादरी में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से जेवरात चोरी किया था। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश साजिद के ऊपर पूर्व में पांच और रिजवान के ऊपर पूर्व में आठ मुकदमे दर्ज हैं।

नकलविहीन परीक्षा के लिए सीसीटीवी और उड़नदस्तों का रहेगा पहरा : राकेश कुमार

कानपुर।
विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में नकल और अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी कैमरों से लाइव मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके साथ ही सचल दल और पर्यवेक्षक केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे। परीक्षा के निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह बातें शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने कहीं।



सीएसजेएमयू की शैक्षणिक सत्र 2026-27 की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं शनिवार 14 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलेंगी। इनमें सात जनपदों के संबद्ध महाविद्यालयों के 5,00,917 विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, औरैया, इटावा, फरुर्खाबाद और कन्नौज में कुल 399 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों की व्यवस्थाओं के संचालन के लिए 56 नोडल केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

परीक्षाएं प्रतिदिन तीन पालियों में आयोजित होंगी। पहली पाली सुबह 8:30 से 10:30 बजे तक, दूसरी पाली सुबह 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक और तीसरी पाली दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक चलेगी। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित सीसीटीवी मॉनीटरिंग कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा विश्वविद्यालय स्तर से विशेष पर्यवेक्षकों और सचल दलों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

परीक्षा नियंत्रक ने विद्यार्थियों से निर्धारित समय से पहले केंद्र पहुंचने की अपील की है। परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र और वैध पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन समेत किसी भी प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या सामग्री को ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

गंगा की निर्मलता पर नालों का ग्रहण, दूषित पानी रोकने के लिए बनेंगे फिल्टर चैंबर

फरुर्खाबाद।
गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने की मुहिम के सामने नदी में सीधे गिर रहे नाले बड़ी चुनौती बने हुए हैं। नालों के जरिए गंगा में पहुंच रहे दूषित पानी को रोकने के लिए अब ग्राम पंचायत स्तर पर फिल्टर चैंबर बनाए जाएंगे। शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की टीम ने जिले में पहुंचकर नालों की स्थिति का जायजा लिया।



जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने संबंधित विभागों को सभी नालों को चिह्नित कर उनके दूषित पानी के उपचार और निस्तारण की प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली के उपनिदेशक नलिन कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में आई टीम ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें गंगा नदी में सीधे गिर रहे नालों और उनके माध्यम से पहुंच रहे प्रदूषित पानी की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी नालों का विस्तृत ब्योरा तैयार किया जाए। दूषित पानी को गंगा में जाने से रोकने के लिए तकनीकी और व्यावहारिक विकल्प तलाशकर समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी दशा में बिना उपचारित गंदा पानी गंगा में प्रवाहित नहीं होना चाहिए।

बैठक के बाद टीम ने विकासखंड बढ़पुर के ग्राम सोता बहादुरपुर पहुंचकर गंगा में गिर रहे नालों का स्थलीय निरीक्षण किया।

अमृतपुर तहसील के सरकारी आवासों पर बदहाली का कब्जा, लाखों के भवन खंडहर बनने की कगार पर!

फरुर्खाबाद।
सरकारी खजाने से लाखों रुपये खर्च हुए, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आलीशान आवास बनवाए गए, लेकिन आज वही सरकारी भवन बदहाली की तस्वीर बनकर रह गए हैं। अमृतपुर तहसील परिसर में बने आवासीय भवनों की हालत ऐसी है कि वर्षों से न उनकी रंगाई-पुताई कराई गई और न ही मरम्मत की सुध ली गई। देखरेख के अभाव में भवन जर्जर होते जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों के रहने के लिए इन आवासों का निर्माण कराया गया था, वे ही यहां



रात्रि निवास नहीं करते। शाम ढलते ही तहसील का प्रशासनिक अमला जिला मुख्यालय लौट जाता है और लाखों की लागत से तैयार सरकारी आवास सूने पड़े रह जाते हैं। सरकारी धन से खड़ी की गई संपत्ति की यह दुर्दशा प्रशासनिक व्यवस्था और जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रही है।

दरअसल, अमृतपुर तहसील का निर्माण वर्ष 2008 में बसपा सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन कद्दावर मंत्री अनंत कुमार मिश्रा के विशेष प्रयासों से कराया गया था। तहसील भवन के साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों के निवास के लिए भी लाखों रुपये खर्च कर आवासीय भवन बनवाए गए थे। इसके पीछे मंशा थी कि तहसील मुख्यालय पर अधिकारी और कर्मचारी उपलब्ध रहें, ताकि दूरदराज से आने वाले फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना न पड़े।

लेकिन समय बीतने के साथ आवासीय व्यवस्था ही उपेक्षा का शिकार हो गई।

अगरबत्ती, परफ्यूम और कॉस्मेटिक निर्माण के शुरू होंगे कौशल आधारित पाठ्यक्रम : योगेश दुबे

कानपुर।
फ्रेगरेंस एवं फ्लेवर उद्योग में विद्यार्थियों के लिए रोजगार और स्वरोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। अगरबत्ती, परफ्यूम और कॉस्मेटिक निर्माण जैसे क्षेत्रों में कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर युवाओं को नौकरी के साथ अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए भी तैयार किया जा सकता है। इसके लिए छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) और उद्योग जगत के बीच सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। यह बातें शुक्रवार को सीएसजेएमयू में आयोजित ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र में फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष योगेश दुबे ने कहीं।



विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित इस सत्र में उद्योग विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने फ्रेगरेंस एवं फ्लेवर क्षेत्र में अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, नवाचार और कौशल विकास की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान योगेश दुबे ने रसायन विज्ञान विभाग में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के रूप में अपनी जिम्मेदारी भी ग्रहण की। उनके उद्योग संबंधी अनुभव का लाभ विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और उत्पाद विकास की जानकारी देने में मिलेगा।

कार्यक्रम में एफएफडीसी के निदेशक शक्ति विनय शुक्ला ने अगरबत्ती निर्माण, परफ्यूम और कॉस्मेटिक निर्माण से जुड़े कौशल आधारित सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को कच्चे माल की पहचान, उत्पाद निर्माण, गुणवत्ता परीक्षण और विपणन का प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इससे वे रोजगार हासिल करने के साथ अपना स्टार्टअप भी शुरू कर सकेंगे।

नोएडा: विभिन्न सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत

नोएडा।
नोएडा के विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई। पुलिस इन तमाम मामलों की जांच कर रही है।

थाना ईकोटेक- 3 के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अरमान पुत्र साबिर ने आज सुबह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मूल रूप से जनपद पूर्णिया बिहार के रहने वाले हैं तथा मौजूदा समय में हल्द्वानी गांव में किराए के मकान में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार 13 नवंबर की रात को उनके पिता साबिर (45) पुत्र रफीक आलम अपनी ठेली लेकर जा रहे थे तभी अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दिया। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सफदरजंग अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शमशाद अली ने आज सुबह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक ट्रैक्टर चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए गेझा रोड के पास उसके भाई शमसुद्दीन (40) को बीती रात को टक्कर मार दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में बीती रात शिवकुमार पंडित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह नगला चरण दास गांव में रहते हैं। उनके अनुसार बीती रात उनका बेटा सुगन पंडित (18) और भतीजा शिवानंद स्कूटी पर सवार होकर जा रहे थे। तभी एक ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी स्कूटी में टक्कर मार दिया। इस घटना में उनके बेटे शुभम पंडित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भतीजा गंभीर रूप से घायल है।

थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात उमेश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मूल रूप से जनपद संभल के रहने वाले हैं। उनका भाई हरिओम पुत्र चंद्रपाल औद्योगिक क्षेत्र सूरजपुर में ठेली लगाकर अपना जीवन यापन करता था।

सीएम योगी का मेरठ दौरा: आज शहर में रहेंगे मुख्यमंत्री, सुरक्षा अलर्ट, माल रोड पर भारी वाहन प्रतिबंधित

सीएम के आगमन को लेकर प्रशासन सतर्क, ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया नया रूट डायवर्जन प्लान

मेरठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मेरठ में दो घंटे 35 मिनट रहेंगे। पूर्व सैनिक रैली में शामिल होंगे। सुरक्षा के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, माल रोड पर शाम पांच बजे तक भारी वाहनों की एंट्री पर रोक रहेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मेरठ पहुंचेंगे। वह शहर में दो घंटे 35 मिनट तक रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री कैंट स्थित कुलवंत सिंह स्टेडियम में आयोजित पूर्व सैनिक रैली में शामिल होकर सैनिकों के शौर्य, समर्पण और बलिदान को नमन करेंगे।

इसके अलावा वह स्टेडियम के बैडमिंटन हॉल भी जाएंगे और शास्त्रीनगर में राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर के आवास पहुंचकर उनके दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते



हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

हिंदू नेता सचिन सिरोही को किया गया नजरबंद

सीएम की रैली से पूर्व अखिल भारतीय हिंदू सुरक्षा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सिरोही को पुलिस ने नजरबंद कर दिया। सचिन सिरोही ने बताया कि उनका आज कोई कार्यक्रम नहीं था। उन्होंने एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली के कथित विवादित बयान को लेकर जनसभा से पहले उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने सुबह आठ बजे से उनके घर पर पुलिसकर्मियों को तैनात कर रखा है। उन्होंने इसे लेकर नाराजगी भी जताई।

सुबह 11:50 बजे आरवीसी ग्राउंड पहुंचेंगे मुख्यमंत्री

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलिकॉप्टर सुबह 11:50 बजे आरवीसी ग्राउंड स्थित हेलीपैड पर उतरेगा। यहां से वह कुलवंत सिंह स्टेडियम पहुंचेंगे और पूर्व सैनिक रैली में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान वह स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हॉल भी जाएंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री आरवीसी ग्राउंड से हेलिकॉप्टर के जरिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से शास्त्रीनगर स्थित राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर के आवास जाएंगे। वहां उनके दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

दोपहर 2:25 बजे मुख्यमंत्री सीसीएसयू के हेलीपैड से अलीगढ़ के लिए रवाना होंगे। वहां उन्हें राज्यमंत्री संदीप सिंह के सगाई समारोह में शामिल होना है।

शाम पांच बजे तक माल रोड पर भारी वाहनों की नो एंट्री

मुख्यमंत्री के कैंट स्थित कुलवंत सिंह स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। एसपी ट्रैफिक राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि माल रोड पर शाम पांच बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान मवाना जाने वाले भारी वाहनों को लालकुर्ती होकर निकाला जाएगा।

रैली में शामिल होने आने वाले पूर्व सैनिकों की बसों को कार्यक्रम स्थल तक जाने की छूट रहेगी। वहीं, बाइक और कारों का आवागमन जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री का काफिला गुजरने के दौरान कुछ समय के लिए यातायात रोका जाएगा।

यूपी: त्योहार बाद काम पर लौटना महंगा, निजी बसों का किराया फ्लाइट जैसा



लखनऊ

दीपावली और भैया दूज के बाद काम पर लौटने वाले यात्रियों को महंगे सफर का सामना करना पड़ रहा है। लखनऊ से दिल्ली का निजी बस किराया 3599 रुपये और मुंबई का 7999 रुपये तक पहुंच गया है। ट्रेनों में सीटों की कमी और महंगी फ्लाइट से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

दीपावली और भैया दूज के बाद दूसरे शहरों में काम पर लौटने वाले लोगों की जेब पर सफर भारी पड़ रहा है। ट्रेनों में कन्फर्म सीटें नहीं मिल रही हैं तो विमानों का किराया भी आम यात्रियों की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। ऐसे में निजी बसें विकल्प तो बन रही हैं, लेकिन इनके टिकट भी अब फ्लाइट के किराये को टक्कर दे रहे हैं। लखनऊ से दिल्ली के लिए निजी बस का टिकट 3599 रुपये तक पहुंच गया है, जबकि मुंबई जाने के लिए यात्रियों को 7999 रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं।

शुक्रवार को रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बनी रही। त्योहार मनाने के बाद नौकरी और कामकाज के सिलसिले में दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, जयपुर और पटना लौटने वालों को ट्रेनों में कन्फर्म सीटें नहीं मिल पा रही हैं। इसका फायदा निजी बस ऑपरेटर उठा रहे हैं। ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग बसों के किराये में भारी अंतर दिखाई दे रहा है।

दिल्ली के लिए 699 से 3599 रुपये तक टिकट

लखनऊ से दिल्ली के लिए बस का किराया समय और श्रेणी के हिसाब से अलग-अलग है। आलमबाग नहरिया से रात 10:55 बजे चलने वाली एसी सीटर बस का टिकट 699 रुपये है। वहीं, रात 9:45 बजे की स्लीपर बस का किराया 2042 रुपये और रात 11 बजे की एसी स्लीपर बस का टिकट 1900 रुपये है। रात 11:20 बजे रवाना होने वाली स्लीपर बस का किराया सबसे अधिक 3599 रुपये तक पहुंच गया है। इस सफर में सात से आठ घंटे लगते हैं।

मुंबई के लिए 7999 रुपये तक किराया

मुंबई जाने वाली निजी बसों के टिकट भी काफी महंगे हैं।

दक्षिण कोरियाई दल को भाया बुंदेलखंड, दाल-चावल के लजीज स्वाद के हुए कायल

महोबा।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़ा 08 सदस्यीय दक्षिण कोरियाई दल उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के महोबा जनपद के चरखारी विकासखंड के काकुन गांव पहुंचकर यहां की संस्कृति, सभ्यता का कायल हो गया है। शुक्रवार को कोरियन दल ने औद्योगिक खेती की बारीकियां सीखी और ग्रामीण परिवेश में शुद्ध वातावरण का जमकर लुत्फ उठाया है। भारतीय सभ्यता से रूबरू होकर कोरियन दल ने अपनी कोरियन संगीत एवं सभ्यता भी बुंदेलों के साथ साझा की। तो वहीं भोजन में दाल, चावल और पालक साग कोरियन को जमकर भाया है।



दक्षिण कोरिया की वोंक वांग डिजिटल यूनिवर्सिटी के छात्रों का आठ सदस्यीय दल गुरुवार को चरखारी विकास खंड के गांव काकुन पहुंचा। शुक्रवार को स्वामी शतानंद सरस्वती विद्यालय में कोरियन दल ने योगाभ्यास करने के साथ बच्चों को मार्शल आर्ट्स का प्रशिक्षण देकर आत्म रक्षा को लेकर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। रिपब्लिक ऑफ कोरिया की वाइस चांसलर और डिपॉर्टमेंट ऑफ योगा स्टीज एंड मेडिटेशन की डीन डॉ जोंग सून सिओ ने कोरियन सभ्यता के बारे में जानकारी देते हुए छात्रों के साथ समय बिताया। कोरियन दल ने गांव की सभ्यता और संस्कृति को धरातल पर देखा।

उन्होंने बच्चों को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देने के साथ के पॉप डांस सिखाया। उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ अपनी संस्कृति साझा की।कोरियन दल में सियो जोंग सून, कोह ह्योक्योंग , हान सुनजा ,जुंग सुनक्यू ,किम मी-यंग ,ली सेंग-योंल ,यून माल सून , जिन यून जू शामिल हैं।

स्वनिधि योजना से छोटे कारोबारियों को मिल रहा आत्मनिर्भर बनने का अवसर : रमेश अवस्थी

कानपुर।

पथ विक्रेता छोटे कारोबार के जरिए शहर की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका का आधार बने हुए हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने ऐसे कारोबारियों को आर्थिक रूप से आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। सरकार का प्रयास है कि छोटे व्यापारियों को आर्थिक सहायता के साथ उनके कारोबार के विस्तार के लिए भी बेहतर सुविधाएं



मिलें। यह बातें शुक्रवार को पनकी के बी-ब्लॉक स्थित दुर्गा पार्क में आयोजित स्वनिधि महोत्सव में सांसद रमेश अवस्थी ने कहीं।

उन्होंने कहा कि पथ विक्रेताओं को प्रोत्साहित करना और उनकी मेहनत को सम्मान देना जरूरी है। स्वनिधि योजना के माध्यम से छोटे व्यापारियों को ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे अपने कारोबार को आगे बढ़ा सकें। डिजिटल लेनदेन को अपनाने से उनके व्यापार में पारदर्शिता और सुविधाएं भी बढ़ रही हैं।

इससे पहले सांसद रमेश अवस्थी ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) की ओर से लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।

बुर्के की आड़ में सात लाख की चोरी करने वाले चार शातिर गिरफ्तार

हमीरपुर।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बुर्का पहनकर तमंचाधारी चोरों ने गुड़ व्यापारी के घर में घुस डेढ सौ ग्राम सोना, पांच सौ ग्राम चांदी सहित सात लाख रुपये की नकदी पार की थी। पुलिस ने एक सप्ताह में घटना का खुलासा करते हुए शुक्रवार को सैना रोड से चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 4700 रुपये नकद, 433 ग्राम चांदी के टुकड़े, तमंचा, कारतूस, चोरी के उपकरण और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की है।

राठ के कोतवाल अनूप सिंह ने शुक्रवार को बताया कि कस्बे के छोटी जुलहेटी मोहल्ला निवासी गुड़ व्यापारी अनिल कुमार उर्फ पप्पू साहू के घर छह नवंबर की आधी रात चोर छत के रास्ते दाखिल हुए बुर्का पहने चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर अलमारी में रखे करीब डेढ़ सौ ग्राम सोने और पांच सौ ग्राम चांदी के जेवरात के साथ सात लाख रुपये नकदी चोरी कर ली थी। चोरी किए गए आभूषणों में सोने का हार, मंगलसूत्र, छह अंगूठियां, कान के बाले और जंजीर शामिल थे। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में बुर्का पहने चोर कैद हुए थे। फुटेज में एक चोर के हाथ में तमंचा भी दिखाई दिया था। गुड़ व्यापारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

बताया कि एसएसआई शिवसहाय सरोज, एसआई अभिषेक त्रिवेदी ने पुलिस बल के साथ शुक्रवार को सैना रोड से गोविंद सिंह उर्फ गौरव राजपूत, विजय कुमार, सुनील कुमार उर्फ सोनू निवासीगण कैथा, अनिल कुमार निवासी कुल्हैंडा थाना मझगवां को गिरफ्तार किया है। इनके पास से सफेद धातु के दो टुकड़े, तीन जोड़ी बुर्के, 315 बोर का तमंचा, एक कारतूस, लोहे की पाइप, कटर और अन्य उपकरण बरामद हुए हैं। पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त बाइक भी कब्जे में ली है। पुलिस ने चोरी और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जबकि अनिल कुमार के विरुद्ध गुण्डा एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। आरोपित अनिल के विरुद्ध थाना जरिया, मझगवां, राठ में आठ मुकदमे दर्ज हैं। जबकि गोविंद के विरुद्ध राठ सहित पनवाड़ी, बांदा में मुकदमे दर्ज हैं।

कारसेवकपुरम में मंगल भवन अमंगल हारी....''सम्पुट आलाप के साथ भक्ति रस में डूबे श्रोता

हनुमान जी के छठी महोत्सव पर सरस सुन्दरकाण्ड आयोजित

अयोध्या।

मंगल भवन अमंगल हारी, द्रवउ सो दसरथ अजिर बिहारीह्व के आलाप से प्रारंभ हुआ संगीतमय सरस सम्पूर्ण सुन्दरकाण्ड विश्राम लेने तक पूर्ण भक्ति भाव से सराबोर रहा। पाठ को स्वर दे रहे किशोरी शरण द्वारा बीच-बीच में की जा रही प्रेरक दोहों की व्याख्या श्रोताओं को और भी भावमय कर रही थी। अंत में हनुमान चालीसा और रामायण जी की आरती के साथ पाठ ने विश्राम लिया।

पवन पुत्र श्री हनुमान जी के छठी महोत्सव कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी अवसर पर कारसेवकपुरम् परिसर स्थित भारत कल्याण प्रतिष्ठान का प्रथम तल सभागार पाठ प्रारंभ के साथ ही भक्ति रस से ओतप्रोत हो गया। पाठ में शामिल होने वाले भक्त कुछ तरह भक्त रस में डूबते जा रहे थे कि सभी ने पाठ विश्राम के साथ ही अपना स्थान छोड़ा।

प्रभु श्रीराम, माता जानकी व हनुमान जी के विग्रहों का किशोरी शरण जी महाराज व विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह ह्वपंकजह्व ने पूजन किया। किष्किन्धाकाण्ड के 29वें दोहे ह्वबलि बाँधत प्रभु बाढ़उ सो तनु बरनि न जाइ। उभय घरी महँ दीन्हीं सात प्रदच्छिन धाइ।ह्व से प्रारंभ हुए पाठ की व्याख्या करते हुए किशोरी शरण महाराज ने कहा कि जब वामन रूप में अवतरित भगवान राज बलि को बांधने के लिए अपना विराट स्वरूप धारण कर रहे थे उस समय युवा हनुमान जी ने दो घड़ी में दौड़ कर उनकी सात परिक्रमा पूरी की थी। इस प्रसंग के माध्यम से जमवंत जी ने हनुमान जी की अपार क्षमताओ को याद दिलाया जिससे वे समुद्र लांघ कर लंका जाने का साहस कर सके।

इसी तरह ''निज पद नयन दिए मन राम पद कमल लीन ह्व की व्याख्या करते हुए स्मरण कराया कि श्रीराम के दाहिने चरण में बने 24 शुभ चिन्ह माता जानकी के बाएं चरण में व माता जानकी के दाहिने चरण में बने चिन्ह श्रीराम के बाएं चरण में अंकित हैं।

अशोक वाटिका में बैठकर वे अपने चरणों को देख कर लगातार प्रभु श्रीराम के चरणों में बने चिन्हों का स्मरण करतीं रहीं। पाठ केअंत में सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

ट्रेन की चपेट में आने से मां और तीन मासूम बेटियों की मौत

बाराबंकी।

शहर कोतवाली क्षेत्र के गांधीनगर के पास शुक्रवार शाम को एक हृदयविदारक घटना सामने आई।

रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला और उसकी तीन मासूम बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची कोतवाली नगर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शवों की शिनाख्त कराई।

पारुल सैनी का सपना हुआ साकार, चंडीगढ़ अंडर-23 वूमेंस टीम में हुआ चयन

मुरादाबाद।

मुरादाबाद जिले की उभरती हुई युवा क्रिकेटर पारुल सैनी ने अपनी मेहनत, अनुशासन और शानदार गेंदबाजी के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन चंडीगढ़ अंडर-23 वुमेंस टीम के लिए हुआ है। चंडीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा हाल ही में अंडर-23 वुमेंस टीम के चयन के लिए सिलेक्शन मैच और कैंप आयोजित किए गए थे। शानदार प्रदर्शन के आधार पर पारुल सैनी का चयन किया गया है।

चयन के बाद पारुल सैनी ने कहा, कि यह मेरे जीवन का एक बहुत बड़ा अवसर है। मैं अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता फूल सिंह, माता कौशल्या सैनी व क्रिकेट कोच मिर्जा दानिश आलम को देता हूं, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया।

एमपीएस क्रिकेट अकादमी के संचालक वरिष्ठ क्रिकेटर दानिश



मिर्जा आलम ने बताया कि पारुल सैनी कई वर्षों से एमपीएस क्रिकेट एकेडमी में अभ्यास कर रही हैं। पारुल इससे पहले भी यूपी अंडर-19 वुमेंस क्रिकेट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्होंने अपने कठिन परिश्रम और अनुशासन से एक बार फिर अपनी जगह बनाई है।

पारुल ने कहा उन्होंने यह सफलता वर्षों की कठिन मेहनत, लगातार अभ्यास और खेल के प्रति समर्पण के दम पर हासिल की है। वह ऑफ ब्रेक गेंदबाजी करती हैं और अपनी शानदार गेंदबाजी से चयनकताओं को प्रभावित करने में सफल रही हैं। इस उपलब्धि के पीछे उनके कोच मिर्जा दानिश आलम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कोच मिर्जा दानिश आलम ने शुरूआत से ही पारुल की तकनीक, फिटनेस और मानसिक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया। उनकी कड़ी ट्रेनिंग और मार्गदर्शन ने पारुल को इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

शहर की ऐतिहासिक धरोहरों से रूबरू कराएगी लायंस इंटरनेशनल की कार रैली, 30 से अधिक कारें लेंगी

15 नवंबर को कार रैली के साथ ट्रेजर हंट और टैलेंट हंट का भी होगा आयोजन

प्रयागराज।

प्रयागराज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने के उद्देश्य से लायंस इंटरनेशनल की ओर से 15 नवंबर को कार रैली, ट्रेजर हंट और टैलेंट हंट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस आयोजन के माध्यम से शहर की ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी देने के साथ लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिलेगा। प्रतियोगिता में



30 से अधिक कारें शामिल होंगी। यह जानकारी शुक्रवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंडलाध्यक्ष लायन उदय चंदानी और कार्यक्रम चेयरपर्सन लायन रीता बीर ने दी।

उन्होंने बताया कि लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321-ए की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मनोरंजन के साथ प्रयागराज की गौरवशाली विरासत, इतिहास और संस्कृति से आम नागरिकों को जोड़ना है। प्रतियोगिता में प्रत्येक कार में लायंस क्लब के दो सदस्य सवार होंगे।

19 वीं सब-जूनियर नेशनल रोलबॉल चैंपियनशिप-2026 के लिए रोलबॉल खिलाड़ी अभिनंदन का चयन

मुरादाबाद।

मुरादाबाद जनपद के होनहार रोलबॉल खिलाड़ी अभिनंदन का चयन 19 वीं सब-जूनियर नेशनल रोलबॉल चैंपियनशिप 2026 के लिए उत्तर प्रदेश की बालक टीम में हुआ है। इस उपलब्धि से मुरादाबाद के खेल जगत में खुशी की लहर है।

रोलबॉल एसोसिएशन की जिला सचिव रिंपी सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश रोलबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा जारी चयन सूची में अभिनंदन को उत्तर प्रदेश की टीम में स्थान दिया गया है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 30 दिसंबर 2026 तक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, गुवाहाटी-शिलांग रोड, री-भोई जिला, मेघालय में किया जाएगा।

चयनित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर 18 दिसंबर 2026 से गाजियाबाद में आयोजित होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश की टीम 24 दिसंबर को गुवाहाटी के लिए रवाना होगी। अभिनंदन के इस चयन पर मुरादाबाद डिस्ट्रिक्ट रोलबॉल एसोसिएशन ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि अभिनंदन राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर मुरादाबाद और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

हाथ को जकड़ता रहा विशालकाय अजगर, फिर भी नहीं हारी हिम्मत

मुरादाबाद।

हाथ में अजगर की मजबूत पकड़ और सामने फन की जगह कुंडली मारता उसका शरीर... आम आदमी होता तो शायद घबरा जाता, लेकिन वन्यजीव रेस्क्यू एक्सपर्ट शाजिया परवीन ने हिम्मत नहीं हारी।

अजगर उनके हाथ को कसकर जकड़ता रहा और शाजिया उसे सुरक्षित पकड़ने में जुटी रहीं। करीब एक महीने पहले हुए इस रेस्क्यू का वीडियो बुधवार से इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो देखकर लोग शाजिया के साहस की सराहना



कर रहे हैं।

यह मामला कृषि उत्पादन मंडी समिति मझोला से लाकड़ी फाजलपुर बाइपास की तरफ जाने वाले मार्ग पर पेपटपुरा का है। यहां खाली प्लाटों में झाड़ियों के बीच अजगर दिखाई देने पर रेस्क्यू के लिए सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही वन्यजीव रेस्क्यू एक्सपर्ट शाजिया परवीन मौके पर पहुंचीं।

अजगर द्वारा जकड़ने पर भी शाजिया ने धैर्य बनाए रखा

उन्होंने अजगर को पकड़ने का प्रयास शुरू किया तो उसने उनके हाथ को कसकर जकड़ लिया। इसके बावजूद शाजिया ने धैर्य बनाए रखा और सावधानी से अजगर को काबू कर लिया।

रेस्क्यू के बाद अजगर को डियर पार्क में छोड़ दिया गया। खास बात यह है कि अजगर किसी घनी आबादी में नहीं मिला था, बल्कि पेपटपुरा के खाली प्लाटों की झाड़ियों में देखा गया था। करीब एक महीने पुरानी इस घटना का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने से चर्चा में है।

वीडियो में अजगर की पकड़ के बीच शाजिया का उसे सुरक्षित रेस्क्यू करने का हौसला साफ नजर आ रहा है। शाजिया के पिता अनीस अहमद ने बताया कि एक महीने पहले अजगर की सूचना मिलने पर वह बेटी को रेस्क्यू के लिए ले गए थे। उधर, वन क्षेत्राधिकारी राजेश शर्मा का कहना है कि मामला एक महीने पुराना है। अजगर को डियर पार्क में छोड़ दिया है।



ऊनी कपड़ों से है एलर्जी तो करें ये काम

सर्दियों के मौसम में सर्द हवाओं से बचने के लिए गर्म ऊनी कपड़े पहनते हैं। ऊनी गर्म कपड़े सर्दी से तो बचाते ही हैं इसके साथ ही यह इस मौसम में स्टाइल स्टेटमेंट का भी खास हिस्सा माने जाते हैं। आप शॉल, जैकेट्स, स्वैटर, पोंचू आदि पहन कर भी फैशनेबल दिख सकते हैं लेकिन कई बार गर्म कपड़ों के फैब्रिक से एलर्जी कुछ लोगों को स्किन एलर्जी की परेशानी भी हो जाती है। ऐसी खासकर पश्मीना फैब्रिक से बने कपड़ों से यह समस्या ज्यादा होती है। इससे स्किन पर लालगी, खुजली या रैशेज हो सकते हैं। आप भी इससे परेशान हैं तो जानें किस तरह से करें इससे अपना बचाव।

ऊन से एलर्जी की पहचान

एलर्जी दो तरह की हो सकती है एक जिनकी स्किन सेंसिटिव होती है उन्हें और दूसरी जिनकी त्वचा शुष्क होती है। आप इससे अपना बचाव कर सकते हैं।

- शरीर पर खारिश होना
- लाल दाने होना
- जलन होना आदि

ऐसे करें बचाव

गुनगुने पानी से नहाएं

ज्यादा गर्म पानी से नहा कर भी त्वचा में रूखापन आ जाता है। नहाने से पहले त्वचा पर ग्लिसरीन और गुलाब जल लगा कर गुनगुने पानी से नहाएं।

जैतून तेल से मसाज

त्वचा पर रूखापन न होने दें और क्रीम की जगह पर ऑलिव ऑयल से स्किन की पहचान करें।

कॉटन के इनरवियर पहनें

सर्दी से बचने के लिए ऊनी कपड़े पहनने बहुत जरूरी है लेकिन इनसे पहले कॉटन के इनरवियर पहनें। इससे ऊन स्किन पर टच नहीं करेगी। एलर्जी से भी बचाव रहेगा।

एलर्जी को पहचाने

पहले यह पहचानना बहुत जरूरी है कि आपको किस वुलेन फैब्रिक से एलर्जी है। वह फैब्रिक पहनने से परहेज करें। ज्यादातर लोगों के पशमीना पहनने से संक्रमण होता है।

धूप लगाएं

कपड़े बहुत समय से बंद करके रखे हैं तो इनको धूप जरूर लगवाएं। इससे एलर्जी होने का डर कम रहता है।





यूरिन इंफैक्शन यानी पेशाब करते समय जलन या दर्द होना। यह समस्या स्त्री या पुरूष दोनों को कभी भी हो सकती है। कई बार तो यह समस्या कुछ ही दिनों में ठीक हो जाती है लेकिन बहुत सी बार डॉक्टरों के पास जाने तक की नौबत आ जाती है। हम लोग अक्सर यूरिन इंफैक्शन को अनदेखा कर देते है जो बाद में कई समस्याओं का कारण बनता है। ऐसे आपको चाहिए कि जब भी यूरिन करते समय जलन या दर्द हो तो तुरंत इलाज शुरू कर दें, ताकि बाद में किसी प्रकार की कोई बड़ी बीमारी होने का खतरा टल जाए। आज हम आपको यूरिन इंफैक्शन के कारण, लक्षण और इसके इलाज के लिए कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिन्हें आप घर पर ही ट्राई करके देख सकते है।

अनदेखा न करें यूरिन इंफैक्शन

बनता है कई समस्याओं का कारण

यूरिन में जलन के कारण

- मूत्र मार्ग में संक्रमण या ब्लैडर में सूजन
- किडनी में पथरी होना
- शरीर में पानी की कमी
- लीवर प्रॉब्लम होना
- रीढ़ की हड्डी में चोट लगना
- शुगर की बीमारी होना

यूरिन में जलन के लक्षण

- यूरिन से स्मैल आना
- ब्लैडर में दर्द रहना
- बार-बार यूरिन आना
- यूरिन का रंग पीला हो जाना
- बूंद-बूंद पेशाब आना
- पेट और मूत्र मार्ग में जलन

चलिए आपको बताते है पेशाब करते समय जलन और दर्द के कुछ घरेलू इलाज-

अधिक पानी पीना

अगर यूरिन लग कर आ रहा है तो हर एक घंटे में पानी का गिलास पीएं। इससे ब्लैडर में जमा हुए बैक्टीरिया बाहर निकल जाएगे और शरीर में पानी की कमी भी नहीं होगी।

सिट्रिक एसिड युक्त फल

जिन फलों और सब्जियों में सिट्रिक एसिड की मात्रा अधिक होती है, उनका सेवन करें। यह एसिड यूरिन इंफैक्शन बनाने वाले बैक्टीरिया को खत्म कर देता है। ऐसे में खट्टे फल यानी नींबू, मौसमी अन्य आदि का सेवन करें।

नारियल पानी पीएं

नारियल पानी पीने से भी यूरिन के दौरान होने वाली जलन कम हो सकती है। साथ ही रोजाना नारियल पानी पीने से शरीर को पानी और मिनरल्स भरपूर मात्रा में मिलते है।

चावल का पानी

आधा गिलास चावल के पानी में चीनी मिलाकर पीने से यूरिन में होने वाली जन कम हो सकती है।

बादाम और इलायची

बादाम की 5 गिरी में 7 छोटी इलायची और मिसरी डालकर पीस लें। फिर इसे पानी में घोलकर पीएं। इससे दर्द और जलन कम होती है।

आयुर्वेदिक उपचार

आंवला और इलायची

आंवले का चूर्ण में इलायची मिलाकर पानी के साथ पीएं। इससे यूरिन की जलन कम होगी।

बेकिंग सोडा और पानी

अगर यूरिन इंफैक्शन के दौरान बार-बार पेशाब आए तो 1 गिलास पानी में 1 चम्मच सोडा मिलाकर पीएं। इससे एसिडिटी और जलन की समस्या कम होगी।

गेहूं और मिसरी

रात को सोने से पहले 1 मुट्ठी गेंहू को पामी में भिगोएं और सुबह उसी पानी को छान लें। फिर उसमें मिसरी मिलाकर खाएं।



औषधीय गुणों से भरपूर है आक का पौधा

औषधिय गुणों से भरपूर आक के पौधे का इस्तेमाल पूजा के लिए किया जाता है। पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाला यह पौधा सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके फूल-पत्तियों का इस्तेमाल अस्थमा, डायबिटीज, कुष्ठ रोग और बवासीर जैसी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। मदार, अर्क या अकोवा के नाम से पहचाने जाने वाले इस पौधे से और भी स्किन में एलर्जी या खुजली जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। विषैला होने के बावजूद भी इस पौधे में कई औषधिय गुण पाएं जाते हैं। तो आइए जानते है किस तरह इस पौधे के फूल, पत्ते का इस्तेमाल से बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है।

अस्थमा

इसके फूलों को सूखा कर रोजाना इसका चूर्ण खाने से अस्थमा, फेफड़ों के रोग और शरीर की कमजोरी दूर हो जाती है।

खुजली

स्किन में एलर्जी या रूखेपन के कारण खुजली की समस्या हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए इसकी जड़ को जला लें। इसकी राख को कड़वे तेल में मिलाकर खुजली वाली जगहें पर लगाएं। खुजली की परेशानी दूर हो जाएगी।

डायबिटीज

रोजाना सुबह इस पौधे की पत्तियों को पैर के नीचे रख कर जुराबें डाल लें। रात को सोने से पहले इस पत्ते को निकाल दें। इसका इस्तेमाल शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है।

कुष्ठ रोग

इसकी पत्तियों को पीस कर सरसों के तेल में मिक्स करें। इसे कुष्ठ रोग के घाव पर लगाएं। इसे नियमित रूप से लगाने पर घाव जल्दी भर जाएंगे।

बवासीर

आक का पत्ता और डण्ठल को पानी में भिगो दें। इसे पीने से बवासीर की समस्या हमेशा के लिए दूर हो जाएगी।

चोट लगना

शरीर के किसी भी हिस्से में चोट लगने पर आक के पत्तों को गर्म करके बांध लें। इससे चोट से खून बहना बंद होने के साथ-साथ दर्द और सूजन भी दूर हो जाएगी।





सर्दियों में जरूर खाएं कमरख

सर्दी के मौसम में लोग अपनी सेहत का खास ख्याल रखते है। क्योंकि इस मौसम में बीमारियां होने का डर सबसे ज्यादा होता है। बीमारियों से दूर रहने के लिए लोग अपनी डाइट में कई हेल्दी चीजें जैसे गर्म मसाले, फल और सब्जियां शामिल करते है लेकिन इसके बावजूद भी कई प्रॉब्लम हो ही जाती है। ऐसे में सर्दियों में मिलने वाला खट्टा कमरख यानि स्टार फ्रूट का सेवन सेहत की कई समस्याओं को दूर करता है। कैलोरी, विटामिन सी और मिनरल्स के गुणों से भरपूर स्टार फ्रूट का सेवन आपकी कई हेल्थ प्रॉब्लम को दूर करता है। आइए जानते है रोजाना 1 स्टार फ्रूट का सेवन कई समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

त्वचा संबंधी समस्याएं

सर्दियों में त्वचा संबंधी समस्याएं होना आम बात हैं। ऐसे में स्टार फ्रूट का सेवन स्किन इंफेक्शन, रूखापन, रैशेज और दाद-खुजली की परेशानी को दूर करता है।

प्रतिरोधक क्षमता

पोषक तत्व और विटामिन सी के गुणों से भरपूर स्टार फ्रूट का सेवन शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, जिससे आप सर्दी में होने वाली समस्याओं से बचे रहते है। इसके अलावा इससे शरीर में ताजगी और एनर्जी भी बनी रहती है।

कैंसर

इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स तत्व शरीर में कैंसर कोशिकाओं को विकसित होने से रोकते है। इससे आप कैंसर जैसी बड़ी बीमारी से बचे रहते है। इसके अलावा इसका सेवन पेट में कीड़ों की समस्या से भी छुटकारा दिलाता है।

भूख न लगना

इस मौसम में ज्यादातर लोगों को भूख और प्यास नहीं लगती है, जिससे शरीर कमजोर होने के साथ-साथ कई तरह बीमारियां भी हो जाती है। ऐसे में सुबह स्टार फ्रूट के एक गिलास जूस में चीनी मिलाकर पीएं। 3-4 दिन में ही असर दिखने लगेगा।

ड्रैंडफ

सर्दी के मौसम में अक्सर बालों में ड्रैडफ की समस्या देखने को मिलती है। ऐसे में स्टार फ्रूट और बादाम के तेल को मिक्स करके हफ्ते में 2 बार लगाएं। इससे ड्रैंडफ खत्म होने के साथ-साथ बाल भी चमकदार हो जायेंगे।

हैंगओवर

हैंगओवर होने पर आप नींबू के रस या चाय का सेवन करते है लेकिन इसके रस का सेवन करने से आपका हैंगओवर 5 मिनट में ही दूर हो जाता है।

दिल की बीमारियां

इसमें मौजूद विटामिन, राइबोफ्लेविन, एंटीऑक्सीडेंट और फोलिक एसिड शरीर से दिन की बीमारियों को दूर रखता है। इसके अलावा नियमित रूप से इसका सेवन हार्ट अटैक के खतरे को भी कम करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

मैग्नीशियम और विटामिन बी6 के गुणों के कारण यह आंखो के लिए फायदेमंद होता है। इससे आंखों में लालपन, सूजन, दर्द, पानी निकलना और कम दिखाई देने की समस्या दूर होती है।

जनगणना-2027 के प्रचार को उतरेगा प्रशासन, सांसद-विधायकों सहित 8 गणमान्य हस्तियां करेंगी स्व-गणना

● 16 नवंबर को विशेष अभियान का होगा शुभारंभ
● 30 नवंबर तक घर बैठे ऑनलाइन विवरण भर सकेंगे नागरिक

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियां तेज हो गई हैं। जनपद में स्व-गणना अभियान को सफल बनाने और आम जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए जिला प्रशासन ने सांसद, विधायकों सहित 8 प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों को स्व-गणना अभियान से जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी है। इन सभी गणमान्य व्यक्तियों को 16 नवंबर 2026 को स्वयं ऑनलाइन स्व-गणना करने और इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी कार्यालय से 13 नवंबर को जारी कार्यालय ज्ञाप के अनुसार जनगणना-2027 का द्वितीय चरण 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रस्तावित है। इससे पहले 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक नागरिकों को स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा। इसके माध्यम से लोग घर बैठे आधिकारिक पोर्टल पर अपने परिवार का विवरण स्वयं दर्ज कर सकेंगे।

प्रशासन की ओर से स्व-गणना अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए सांसद मुकेश राजपूत, विधान परिषद सदस्य प्रशांत दत्त द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव, सदर विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, भोजपुर विधायक नागेंद्र सिंह राठौर, कायमगंज विधायक डॉ. सुरभि गंगवार, अमृतपुर विधायक सुशील कुमार शाक्य और भाजपा जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा को नामित किया गया है।

इन सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ अलग-अलग मास्टर ट्रेनर और फील्ड ट्रेनर भी नामित किए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी कराने की जिम्मेदारी दी गई है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार सिंह ने विज्ञप्ति जारी कर निर्देश दिए गए हैं कि 16 नवंबर को सभी नामित गणमान्य व्यक्ति अपने निर्धारित फील्ड ट्रेनर के साथ स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इसके बाद अपनी सेल्फी और फोटो पत्रकारों के साथ साझा करेंगे तथा व्हाट्सएप और सोशल मीडिया पर भी अपलोड करेंगे, जिससे आम नागरिकों को स्व-गणना के प्रति जागरूक किया जा सके।

जिलाधिकारी डॉ अंकुर लाठर के मुताबिक [https://se.census.gov.in](https://se.census.gov.in?utm_source=chatgpt.com) पर जाकर स्व-गणना कर सकेंगे। इसके बाद 1 दिसंबर से जनगणना कर्मी घर-घर पहुंचकर जनसंख्या गणना का कार्य करेंगे।

प्रशासन का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों और प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी के माध्यम से जनगणना-2027 के स्व-गणना अभियान को व्यापक जनसमर्थन दिलाना है, ताकि अधिक से अधिक परिवार निर्धारित समय में अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करा सकें।

अलग-अलग स्थानों पर युवक व विवाहिता ने जहरीले पदार्थ का किया सेवन, हालत गंभीर

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जनपद में अलग-अलग स्थानों पर एक युवक और विवाहिता द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। दोनों घटनाओं की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में परिजन दोनों को गंभीर हालत में उपचार के लिए लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के मोहल्ला बजरिया निवासी अनुभव पुत्र अवधेश ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों को मामले की जानकारी हुई। परिजन तत्काल उसे लेकर लोहिया अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया।

वहीं दूसरी घटना थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के मोहल्ला नौलखा की है। यहां मोहित की पत्नी शिवानी ने भी संदिग्ध परिस्थितियों में घर में रखा जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद परिजन उसे भी आनन-फानन में लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे।

अलग-अलग स्थानों पर हुई इन घटनाओं से क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। फिलहाल दोनों का लोहिया अस्पताल में उपचार चल रहा है। जहरीले पदार्थ के सेवन के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है।

18 सूत्रीय मांगों को लेकर फार्मेसिस्टों का सीएमओ कार्यालय पर धरना

● 20 नवंबर को लखनऊ में प्रदेशव्यापी प्रदर्शन की चेतावनी

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर शुक्रवार को जिले के फार्मेसिस्टों ने 18 सूत्रीय मांगों को लेकर सीएमओ कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना दिया। धरने में जिले के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय और जिला महिला चिकित्सालय सहित विभिन्न सरकारी अस्पतालों में तैनात फार्मेसिस्ट, चीफ फार्मेसिस्ट और प्रभारी अधिकारी फार्मेसी शामिल हुए। इस दौरान कर्मचारियों ने शासन और महानिदेशालय के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए लंबित मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि फार्मेसिस्ट संवर्ग की कई वित्तीय और गैर वित्तीय मांगें लंबे समय से लंबित हैं। शासन स्तर पर कई बार वार्ता के दौरान आश्वासन दिए गए, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे फार्मेसिस्टों में असंतोष लगातार बढ़ रहा है। एसोसिएशन ने फार्मेसिस्ट का पदनाम बदलकर फार्मेसी अधिकारी और चीफ फार्मेसिस्ट का पदनाम चीफ फार्मेसी अधिकारी किए जाने की मांग उठाई। साथ ही विशेष कार्याधिकारी फार्मेसी का पदनाम सहायक निदेशक फार्मेसी करने, रिक्त पदों पर पदोन्नति पूरी करने और वर्ष 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों की स्थायी वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग की गई।

एसोसिएशन ने फार्मेसिस्टों को सीमित औषधियों का नुस्खा लिखने का अधिकार देने, नियुक्ति की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता बैचलर ऑफ फार्मेसी अथवा फार्मा-डी निर्धारित करने तथा संवर्ग के विभिन्न पदों के वेतनमान और ग्रेड पे में संशोधन की मांग भी उठाई। इसके अलावा अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति के लिए ड्रग वेयरहाउस से सरकारी परिवहन व्यवस्था लागू करने, चिकित्सक विहीन स्वास्थ्य केंद्रों में फार्मेसिस्टों पर डीवीडीएमएस पोर्टल पर दवाओं के उपभोग का विवरण दर्ज करने का दबाव न बनाने और पदों का पुनर्गठन करने की मांग की गई।

धरने में नए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चीफ फार्मेसिस्ट के पद सृजित करने, ट्रामा सेंटरों एवं बड़े अस्पतालों में निर्धारित मानकों के अनुसार फार्मेसिस्टों के पद बढ़ाने तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में दवाओं के वितरण और रखरखाव की जिम्मेदारी फार्मेसिस्ट संवर्ग को सौंपने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसी क्रम में 20 नवंबर को लखनऊ में प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया जाएगा।

इस मौके पर अध्यक्ष चक्र सिंह यादव, मंत्री जितेंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवीण यादव, उपाध्यक्ष पवन प्रताप सिंह, प्रांतीय उपाध्यक्ष रजनीश यादव, आशीष शुक्ला, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार, संयुक्त मंत्री संजीव शाक्य सहित फार्मासिस्ट रविंद्र कुमार, योगेश कुमार, नेत्रपाल यादव, आलोक कटियार, विनीत सचान, विकास गुप्ता, पुनीत मिश्रा और नरेंद्र सिंह समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

गांव के किनारे खाली प्लॉट में मिला अवधेश राजपूत का खून से लथपथ शव, सिर में मिला गहरा घाव

● हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



जहानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम चौकी महमदपुर में उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के 50 वर्षीय अवधेश राजपूत का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के किनारे उनकी ही खाली जगह पर पड़ा मिला। शव घर से करीब ढाई सौ मीटर की दूरी पर पड़ा था। उनके सिर में गंभीर घाव था और घटनास्थल पर खून पड़ा हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार अवधेश राजपूत का शव रात करीब एक बजे गांव के किनारे स्थित उनकी खाली जगह पर पड़ा देखे जाने की सूचना परिजनों को मिली। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और शव को उठाकर घर ले गए। अवधेश के सिर में घाव देखकर घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। घटनास्थल पर खून पड़ा होने के कारण मामला और भी संदिग्ध हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर जहानगंज थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रजमोहन पाल राजपूताना चौकी इंचार्ज के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई और शव का पंचनामा भरने की कार्रवाई की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गांव में चर्चा है कि अवधेश राजपूत का पत्नी सुनीता से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके चलते उन्होंने कथित रूप से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि सिर में नजदीक से गोली लगने के कारण गंभीर चोट आई थी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि अवधेश ने स्वयं गोली मारी या किसी अन्य व्यक्ति ने गोली मारकर उनकी जान ली।

अवधेश राजपूत के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा पवन मुंबई में नौकरी करता है, जबकि छोटा बेटा अनुज दिल्ली में नौकरी करता है। पिता की मौत की खबर मिलते ही दोनों बेटे गांव के लिए रवाना हो गए। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रजमोहन पाल ने एफबीडी न्यूज को बताया क मृतक के सिर में घाव पाया गया है। घाव गोली लगने से हुआ है या किसी अन्य कारण से, इसकी वास्तविक स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मामला आत्महत्या का है या हत्या का।

धुंध से 30 मीटर तक सिमटी दृश्यता, सुबह-शाम बढ़ी ठंड

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



जिले में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। शनिवार सुबह शहर से बाहर हाईवे और ग्रामीण इलाकों में हल्की धुंध छाई रही। कमालगंज क्षेत्र के भोजपुर में दृश्यता घटकर करीब 30 मीटर तक पहुंच गई। वहीं शमशाबाद और कंपिल क्षेत्र में भी धुंध का असर देखने को मिला। सुबह के समय सड़कों पर कम दृश्यता के चलते वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ी।

मौसम में बदलाव के साथ सुबह और देर शाम ठंड का एहसास बढ़ने लगा है। शनिवार को जिले का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। देर शाम बाइक से सफर करने वाले लोगों को गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह धुंध का असर शहर की अपेक्षा अधिक दिखाई दिया।

दूसरी ओर मौसम में आया यह बदलाव किसानों के लिए राहत लेकर आया है। किसानों के मुताबिक गेहूं की बुवाई के लिए मौसम अनुकूल बना हुआ है। आलू की खेती करने वाले किसान भी मौजूदा मौसम को फसल के लिहाज से बेहतर मान रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि अनुकूल मौसम से फसलों की अच्छी पैदावार हो सकेगी।

मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ लोगों की दिनचर्या में भी बदलाव आने लगा है। सुबह और देर शाम घर से निकलने वाले लोग गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करने लगे हैं। आगामी दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में धुंध का असर और बढ़ने की संभावना है।

16 नवंबर से शुरू होगी इंडिया स्किल प्रतियोगिता-2026, 4201 प्रतिभागी दिखाएंगे हुनर

फर्रुखाबाद। युवाओं को तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करने और रोजगारपरक क्षमताओं को निखारने का अवसर देने के उद्देश्य से जनपद में इंडिया स्किल प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में जनपद के 4201 पंजीकृत छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन 16 नवंबर 2026 से 15 दिसंबर 2026 तक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, फर्रुखाबाद में किया जाएगा। इसमें प्रतिभागी कुल 63 कौशल विधाओं में अपनी दक्षता का प्रदर्शन करेंगे। इनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, क्लाउड कंप्यूटिंग, फैशन टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न तकनीकी क्षेत्र शामिल हैं। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जनपद के युवाओं को विभिन्न कौशलों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की कौशल प्रतियोगिताओं के लिए प्रोत्साहित करना है। इसमें प्रतिभागी अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता, कार्यकुशलता और व्यावहारिक ज्ञान का प्रदर्शन करेंगे। जिला समन्वयक राजवीर सिंह ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं के कौशल को नई पहचान देने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और रोजगारपरक क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कमालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्स-रे सेवा ठप, मरीज परेशान

यूथ इंडिया, कमालगंज (फर्रुखाबाद)



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमालगंज में पिछले दो दिनों से एक्स-रे मशीन बंद पड़ी है। इससे अस्पताल पहुंच रहे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हड्डी टूटने, चोट लगने और अन्य जांच के लिए आए मरीजों को बिना एक्स-रे कराए ही वापस लौटना पड़ रहा है, या फिर उन्हें निजी केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि अज्ञात लोगों द्वारा एक्स-रे मशीन का तार-केबल खींच लिया गया या काट दिया गया, जिससे मशीन में बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई है। कल से ही मशीन बंद है और आज दोपहर एक बजे तक भी उसे ठीक नहीं किया जा सका।

इस संबंध में जब प्रभारी चिकित्सा अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि केबल चोरी होने की वजह से एक्स-रे सेवा बाधित हुई है। जल्द ही इलेक्ट्रीशियन को बुलाकर मशीन को ठीक कराया जाएगा और एक्स-रे सुविधा पुनः सुचारु कर दी जाएगी।

हालांकि, हकीकत मौके पर कुछ और ही नजर आई। दोपहर एक बजे तक भी इलेक्ट्रीशियन मौके पर नहीं पहुंचा था और मशीन जस की तस बंद पड़ी थी।

सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि एक्स-रे कक्ष में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी अपनी कुर्सी पर आराम से बैठकर मोबाइल में व्यस्त मिले। मरीज बाहर लाइन में खड़े अपनी बारी का इंतजार करते रहे, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं था।

मरीजों का कहना है कि जब उन्होंने कर्मचारी से पूछा तो उन्हें सिर्फ यही जवाब मिला कि मशीन खराब है, कल आना। ग्रामीण क्षेत्रों से इलाज के लिए आए मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। कई मरीज सुबह से ही अस्पताल में भटक रहे हैं। एक मरीज अरुण दुबे ने बताया, सुबह से आए हैं, हाथ में चोट लगी है। डॉक्टर ने एक्स-रे लिख दिया है, लेकिन यहां मशीन ही बंद है। अब समझ नहीं आ रहा कहां जाएं।

वहीं एक अन्य मरीज ने कहा, लोहिया में एक-रे कराया था प्लास्टर भी वही चढ़ा था परंतु प्लास्टर खुलने के बाद हाथों में दर्द है आज यहां जब दिखाने आए तो उन्होंने कहा कि जहां से प्लास्टर लोहिया से कराया है वही दिखाओ जाकर यहां दर्द का या कुछ वही देखेंगे इस तरह के से मरीजों को टरकाया गया प्राइवेट में एक्स-रे कराने के पैसे नहीं हैं। सरकारी अस्पताल में भी सुविधा नहीं मिलेगी तो गरीब आदमी कहां जाएगा?

इस घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकारी अस्पताल परिसर से ही केबल चोरी हो जाना सुरक्षा में बड़ी लापरवाही को दर्शाता है।

क्षेत्र के लोगों ने मांग की है कि एक्स-रे मशीन को जल्द से जल्द ठीक कराया जाए और अस्पताल परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

दीपक हत्याकांडः मारपीट में घायल बेटी का शाहजहांपुर में चल रहा इलाज

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जहानगंज थाना क्षेत्र में बोरिंग मिस्त्री दीपक राजपूत की हत्या के मामले में आरोपी पिता की गिरफ्तारी के बाद अब उसकी घायल बेटी का शाहजहांपुर जिले में इलाज चल रहा है। घटना के दौरान युवती ने अपने प्रेमी दीपक को बचाने का विरोध किया था। आरोप है कि पिता ने उसके साथ भी मारपीट की थी।

पुलिस के मुताबिक, युवती के पिता सुभाष चंद्र ने पूछताछ में स्वीकार किया कि बुधवार रात उसने घर में दीपक को अपनी बेटी के साथ देखा था। इसके बाद उसने बेटी को पानी देने के बहाने बुलाया और उसके साथ मारपीट की। जब दीपक को लाठी-डंडों से पीटा जाने लगा तो युवती ने विरोध किया।

आरोप है कि इसके बाद सुभाष चंद्र ने रस्सी से गला कसकर दीपक की हत्या कर दी। घटना के बाद युवती की हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल उसका शाहजहांपुर जिले में इलाज चल रहा है।

दीपक के भाई जबर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने सुभाष चंद्र और उसके तीन अज्ञात साथियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी सुभाष चंद्र को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। वहीं, मामले में नाम सामने आए उसके भतीजे विमलेश की तलाश की जा रही है।

थानाध्यक्ष ब्रजमोहन पाल के मुताबिक, आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल डंडा, रस्सी और खून से सनी शर्ट बरामद की गई है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश के साथ मामले की आगे की जांच कर रही है।

फर्रुखाबाद- मारपीट के मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। शमसाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम फरीदपुर शहदबाड़ा में गाली-गलौज और मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, गांव निवासी महेन्द्र प्रताप पुत्र नरेश ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि साहिब सिंह पुत्र किशनलाल सहित तीन लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज की और लात-घूंसों व लाठी-डंडों से मारपीट की। वादी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने साहिब सिंह सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 226/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2) और 352 में मामला पंजीकृत किया है।

सहायक अध्यापक पर शराब के नशे में गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप, पीड़ित ने डीजीपी से लगाई गुहार

● मोहित कुमार गौतम ने सोशल मीडिया पर उठाया मामला, परिवार की सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

यूथ इंडिया, अमृतपुर

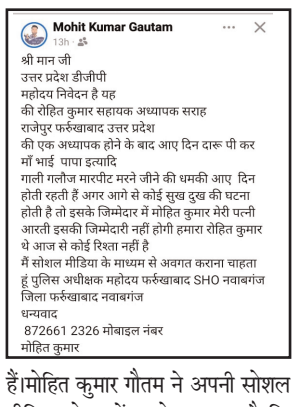
Mohit Kumar Gautam
13h
श्री मान जी
उत्तर प्रदेश डीजीपी
महोदय निवेदन है यह
की रोहित कुमार सहायक अध्यापक सराह
राजेपुर फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश
की एक अध्यापक होने के बाद आए दिन दारू पी कर
माँ भाई पापा इत्यादि
गाली गलौज मारपीट मरने जीने की धमकी आए दिन
होती रहती हैं अगर आगे से कोई सुख दुख की घटना
होती है तो इसके जिम्मेदार में मोहित कुमार मेरी पत्नी
आरती इसकी जिम्मेदारी नहीं होगी हमारा रोहित कुमार
थे आज से कोई रिश्ता नहीं है
मैं सोशल मीडिया के माध्यम से अवगत कराना चाहता
हूं पुलिस अधीक्षक महोदय फर्रुखाबाद SHO नवाबगंज
जिला फर्रुखाबाद नवाबगंज
धन्यवाद
872661 2326 मोबाइल नंबर
मोहित कुमार

जिले में एक सहायक अध्यापक के खिलाफ शराब के नशे में आए दिन गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामले को लेकर मोहित कुमार गौतम ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), पुलिस अधीक्षक फर्रुखाबाद और नवाबगंज थाना पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित की पोस्ट सामने आने के बाद शिक्षक के आचरण और शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।मोहित कुमार गौतम ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया है कि राजेपुर क्षेत्र के सरह मे तैनात सहायक अध्यापक रोहित कुमार शराब के नशे में आए दिन उनके परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। आरोप है कि परिवार को जान से मारने की धमकियां भी दी जाती हैं। पीड़ित का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से उनका परिवार परेशान है और उन्हें किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। पीड़ित ने अपनी पोस्ट में साफ तौर पर कहा है कि भविष्य में यदि उनके या उनके परिवार के साथ कोई अनहोनी होती है तो इसके लिए संबंधित व्यक्ति जिम्मेदार होगा। उन्होंने पुलिस के उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराने और परिवार को सुरक्षा दिलाने की मांग की है। पोस्ट में नवाबगंज थाना पुलिस से भी कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है।

मामले को लेकर शिक्षा विभाग का पक्ष जानने के लिए संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी को फोन किया गया, लेकिन कई प्रयासों के बावजूद उनका फोन नहीं उठ सका। इस कारण मामले में शिक्षा विभाग की प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी। शिक्षक पर लगे गंभीर आरोपों के संबंध में विभागीय स्तर पर क्या कार्रवाई की जाएगी, यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है।शिक्षक पर लगे आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। ऐसे में पुलिस प्रशासन और शिक्षा विभाग से मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराने की अपेक्षा की जा रही है। आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। अब देखना होगा कि पुलिस और शिक्षा विभाग इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

अमृतपुर से राजेपुर तक फैला साइबर ठगी का जाल! 10.87 लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

● पांच बैंक खातों में छह शिकायतों के जरिए 10 लाख 87 हजार 488 रुपये की ठगी का मामला आया सामने, सस्ते सामान का लालच देकर लोगों को बनाते थे निशाना

यूथ इंडिया, अमृतपुर



अमृतपुर से लेकर राजेपुर क्षेत्र तक साइबर ठगी के नेटवर्क को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। सस्ते दामों पर सीमेंट, गेहूं, चीनी, काजू, बादाम और कोल्ड ड्रिंक सहित अन्य सामान बेचने का झांसा देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले गिरोह के खिलाफ राजेपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में आरोपी के पांच बैंक खातों में छह साइबर ठगी की शिकायतों के माध्यम से कुल 10 लाख 87 हजार 488 रुपये की धनराशि सामने आई है।

पुलिस के मुताबिक अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन के निर्देशन तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक कानपुर रेंज के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। 12 नवंबर 2026 को थाना राजेपुर में प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से साइबर ठगी से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जांच के दायरे में आए आरोपी करन पुत्र श्याम सिंह निवासी हरिहरपुर, थाना राजेपुर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने बैंक खाते खुलवाकर किराये पर देता था। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से प्राप्त रकम मंगाने के लिए किया जाता था। आरोपी के मुताबिक कुछ लोग बाजार में सीमेंट, गेहूं, चीनी, काजू, बादाम और कोल्ड ड्रिंक जैसे सामान को बेहद सस्ते दामों पर बेचने के लिए विज्ञापन डालते थे।

लोगों को कम कीमत का लालच देकर उनसे रकम मंगाई जाती थी। इसके लिए कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया जाता था। ठगी से प्राप्त धनराशि आरोपी के खातों में जमा कराई जाती थी।साइबर हेल्प डेस्क की गहन जांच में आरोपी के पांच बैंक खातों में छह शिकायतों के माध्यम से कुल 10,87,488 रुपये की साइबर ठगी की धनराशि सामने आई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाना राजेपुर में मुकदमा अपराध संख्या 216/26 के तहत धारा 318(4) बीएनएस एवं 66डी आईटी एक्ट में कार्रवाई की है। पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में साइबर ठगी के तरीके और बैंक खातों के कथित इस्तेमाल को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर कितने लोगों के खाते किराये पर लेकर ठगी की रकम का लेनदेन किया गया और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच महत्वपूर्ण है। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई में एक आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगालने के बाद ही ठगी के इस मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।